आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11। अंक 127। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, सोमवार, 12 मई, 2025

दुश्मन ने सीजफायर तोड़ा तो देंगे तगड़ा जवाब

40 सैनिक-अफसर मारे, 100 आतंकी ढेर

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के 25 घंटे बाद रविवार शाम 6:30 बजे तीनों सेनाओं ने 1 घंटा 10 मिनट तक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (DGMO) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा- आप सबको पता है कि पहलगाम अटैक में किस क्रूरता से 26 लोगों को मारा गया था। इसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और PoK स्थित आतंकी ठिकानों को टारगेट किया। इसमें दुश्मनों को भारी नुकसान हुआ। ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई को हुई कार्रवाई में सीमा पार 9 ठिकानों पर हमने 100 आतंकवादी मार गिराए। इसमें कंधार हाईजैक और पुलवामा अटैक में शामिल 3 बड़े आतंकी चेहरे भी शामिल थे। 7 मई को हुई कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल्स से हमारे बॉर्डर स्टेट्स में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की। हमनें उन्हें हवा में ही मार गिराया। एक भी टारगेट सक्सेस नहीं होने दिया। इसके बाद हमने पाकिस्तान को जवाब देते हुए सख्त कार्रवाई की, जिसमें पाकिस्तानी सेना के 35 से 40 सैनिक और अफसर मारे गए। बॉर्डर और LOC पर हुई पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में हमारे 5 जवान शहीद हुए हैं।

उनके मिलिट्री ठिकाने हमारी पहुंच से दूर नहीं थे

एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने बताया कि हमने 7 मई की रात उनके लाहौर और गुजरांवाला स्थित रडार सिस्टम को निशाना बनाया। हम उन्हें यह बताना चाहते थे कि उनके मिलिट्री ठिकाने हमारी पहुंच से दूर नहीं थे। हमारे पास उनके हर बेस पर हर सिस्टम को निशाना बनाने की क्षमता है। हम चाहते हैं कि हमारे शत्रु आगे तनाव बढ़ाने की कोशिश ना करें। हमारी लड़ाई पाकिस्तानी मिलिट्री या किसी और से नहीं है। हमारी लड़ाई आतंकवादियों से है, जिन्हें हमने निशाना बनाया। लेकिन उन्होंने ड्रोन, यूएवी से हमला किया। हमारे पास जवाब देने के अलावा कोई रास्ता नहीं था। मुझे 10 मई को पाकिस्तानी डीजीएमओ ने कॉल किया। पाकिस्तान के डीजीएमओ से 3.30 मिनट पर बातचीत हुई। जिसमें तय हुआ कि 7 बजे के बाद से कोई हमला नहीं किया जाएगा। अगली बातचीत 12 मई को होगी। कुछ ही घंटों बाद ही उन्होंने संघर्ष विराम तोड़ा। ड्रोन अटैक किया और फायरिंग की। हमने उन्हें मैसेज भेजा कि हम पर किए गए हमले का जवाब हमने दिया है। अगर आज रात भी ऐसा किया तो हम जवाब देंगे। इसके बाद हमारे आर्मी चीफ ने हमें जवाब देने के लिए पूरी अथॉरिटी दी है। हमारे 5 जवान मारे गए, उन्हें हम श्रद्धांजलि देते हैं। हमने तनाव बढ़ाने वाली कोई प्रतिक्रिया नहीं की, लेकिन अगर हमारी संप्रभुता और अखंडता पर हमला किया गया तो इसका निर्णायक जवाब देंगे। हमने तनाव बढ़ाने वाली कोई प्रतिक्रिया नहीं की, लेकिन अगर हमारी संप्रभुता और अखंडता पर हमला किया गया तो इसका निर्णायक जवाब देंगे।

भारतीय नौसेना ने किया खुलासा

कराची पोर्ट पर हमला करने की थी तैयारी

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारत की तीनों सेनोओं ने 7 मई को पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक और उसके बाद बने हालातों में पाकिस्तान के खिलाफ की गई अपनी कार्रवाइयों के बारे में रविवार को जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस करके जानकारी दी।

इस मौके पर डायरेक्टर जनरल ऑफ नेवल ऑपरेशन वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने बताया कि भारतीय नौसेना 9 मई की रात पाकिस्तान की समुद्री सीमा में उसके सैन्य प्रतिष्ठानों, कराची बंदरगाह सहित उसकी जमीन पर चुनिंदा लक्ष्यों को निशाना बनाने और उन्हें तबाह करने के लिए पूरी तरह तैयार थी, सिर्फ उसे भारत सरकार के निर्देश का इंतजार था। वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने कहा कि भारतीय नौसेना ये सब करने में पूरी तरह सक्षम है। ऑपरेशन सिंदूर पर तीनों सेनाओं की जॉइंट प्रेस ब्रीफिंग के दौरान वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने कहा, 22 अप्रैल को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर किए गए कायरतापूर्ण हमलों के बाद, भारतीय नौसेना ने अपने जवानों, युद्ध पोतों, पनडुब्बियों और लड़ाकू विमानों को तुरंत पूर्ण युद्ध तत्परता के साथ समुद्र में तैनात कर दिया था। हमने आतंकवादी हमले के 96 घंटों के भीतर अरब सागर में अपने हथियारों और जंगी जहाजों की तैयारियों को परखा और हमारे बल उत्तरी अरब सागर में दुश्मन के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई के लिए पूरी तत्परता और क्षमता के साथ तैनात रहे, ताकि हमारे द्वारा चुने गए समय पर कराची सहित समुद्र और जमीन पर दुश्मन के चुनिंदा लक्ष्यों पर हमला किया जा सके।' डीजीएनओ ने कहा, इंडियन नेवी ने पाकिस्तान की नौसेना और उसके एरियल यूनिट को रक्षात्मक मुद्रा में रहने के लिए बाध्य किया, जो कि ज्यादातर बंदरगाहों के अंदर या तट के बहुत करीब थी, जिस पर हमने लगातार नजर रखी। भारतीय नौसेना पाकिस्तान की किसी भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई का निर्णायक ढंग से जवाब देने के लिए समुद्र में तैनात है।' भारतीय सेना और वायु सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर के अंदर 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की, जिसमें जैश, लश्कर और हिजबुल मुजाहिदीन के 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए।

पीएम शाहबाज शरीफ के बाद पाकिस्तानी सेना ने भी किया दावा

भारत ने पहले किया हमला तो हमने दिया जवाब

एजेंसी ● इस्लामाबाद

भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के दूसरे दिन पाकिस्तानी सेना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने रविवार शाम 7.45 बजे मीडिया के सामने दावा किया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान पर पहले हमला किया।

चौधरी ने दावा किया कि पाकिस्तान ने भारत पर जो भी हमले किए हैं, वे आत्मरक्षा में किए गए थे। उन्होंने पाकिस्तानी सेना की तारीफ भी की। पाकिस्तान की जनता अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय रक्षा के लिए तैयार है। भारत मिलिट्री ऑपरेशन चाहता है तो ये उसकी मर्जी है, आगे ये किधर जाएगा ये हमारी मर्जी होगी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शनिवार को कहा था पाकिस्तान संघर्ष विराम का पालन करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कुछ इलाकों में भारत सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है, लेकिन हमारे सैनिक जिम्मेदारी और संयम के साथ स्थिति संभाल रहे हैं। हमारा मानना है कि सीजफायर का क्रियान्वयन अधिकारी लेवल पर आपस में बातचीत करके किया जाना चाहिए। जबकि जंग के हालात में मौजूद सैनिकों को संयम बरतना चाहिए।

भारतीय तोपों को हमने खामोश रखा

एक दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी लगभग यही बातें कहीं थीं। उन्होंने भी भारत पर पहले हमले की बात कहते हुए अपनी सेना की तारीफ की थी। उन्होंने शनिवार को देश की अवाम को संबोधित करते हुए दावा किया था कि भारत ने हमला करके जो गलती की है, उसका खामियाजा उसे जरुर भुगतना होगा। पिछली रात पूरी दुनिया ने देखा कि हमारी सेना ने अपने से कई गुना ताकतवर दुश्मन को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने दावा किया कि इतिहास हमेशा याद रखेगा कि पाकिस्तान की सेना और लड़ाकू विमानों ने कैसे कुछ ही घंटों में भारतीय सेना की तोपों को खामोश कर दिया। शरीफ ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का शुक्रिया अदा किया था।

सीजफायर के बाद पीएम नरेंद्र मोदी का सख्त आदेश

पाकिस्तान से गोली चलेगी तो यहां से गोला चलेगा

एजेंसी ● नई दिल्ली

पाकिस्तान के साथ सीजफायर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने आवास पर हाईलेवल मीटिंग ली। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, CDS और तीनों सेनाओं के प्रमुख मौजूद थे। इस मौके पर पीएम मोदी ने सेना को आदेश दिया कि पाकिस्तान से गोली चलेगी तो यहां से गोला चलेगा। सरकार से जुड़े सूत्रों ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया कि, पाकिस्तान की हर कार्रवाई का भारत कड़ा जवाब देगा।

बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत का एक्शन अब सामान्य बात हो जाएगी। भारत कश्मीर मुद्दे में मध्यस्थता को कभी स्वीकार नहीं करेगा। अब केवल एक ही मामला बचा है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की वापसी। बात करने के लिए और कुछ नहीं है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने नई दिल्ली से संपर्क करने वाले देशों से कहा था कि वह पाकिस्तानी क्षेत्रों में आतंकी ढांचे पर हमला करेगा। भारत ने 7 मई को पाकिस्तान के DGMO को बताया था कि उसने पाकिस्तान में आतंकी ढांचे पर हमला किया है, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

न्यूज एजेंसी ने सोर्स के हवाले से बताया कि ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है, हम नए सामान्य दौर में हैं। दुनिया को इसे स्वीकार करना होगा। पाकिस्तान को इसे स्वीकार करना होगा, यह हमेशा की तरह नहीं चल सकता। भारत ने दुनिया को साफ कर दिया है कि हम पीड़ित और अपराधियों को एकसाथ नहीं रख सकते। बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के हेडक्वॉर्टर को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया गया। जैश-ए-मोहम्मद को ISI ने बनाया था। वहां सबसे ज्यादा ताकतवार हथियार का इस्तेमाल किया गया। यह भारत का पाकिस्तान को बड़ा संदेश था। भारत ने बहावलपुर के मुरीदके में आतंकी कैंपों को निशाना बनाने के बाद ये संदेश दिया कि आतंकियों के पाकिस्तान खुफिया एजेंसी ISI के करीबी रिश्ते हैं। हम उन्हें (आतंकियों को) हेडक्वार्टर में मारेंगे, छोटे कैंपों को निशाना नहीं बनाएंगे। हमले बहुत ही सटीक तरीके से किए गए। रहीम यार खान एयरबेस का रनवे पूरी तरह से तहस-नहस हो गया। चकलाला में बना पाकिस्तानी वायुसेना का बेस नूर खान भी बहुत बुरी तरह बर्बाद हुआ। हर दौर में पाकिस्तान के लिए हालात खराब होते गए। वे लड़ाई के हर दौर में भारत से हार गए। पाकिस्तान के हवाई ठिकानों पर हमारे हमलों के बाद, पाकिस्तान को एहसास हो गया है कि वह इस लीग में नहीं हैं। भारत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि कोई भी सुरक्षित नहीं है, यह न्यू नॉर्मल है।

तीनों लक्ष्य हासिल किए

सैन्य- पीएम मोदी ने कहा <मिट्टी में मिला देंगे, बहावलपुर, मुरीदके और मुजफ्फराबाद कैंप को मिट्टी में मिला दिया।
राजनीतिक- सिंधु जल संधि सीमा पार आतंकवाद से जुड़ी है। जब तक सीमा पार से आतंकवाद बंद नहीं हो जाता, तब तक यह स्थगित रहेगी।
मनोवैज्ञानिक- <घुस के मारेंगे>, हमने उनके दिल में गहरी चोट पहुंचाई। हम बहुत सफल रहे।

ट्रंप की ओर से किए जा रहे ट्वीट पर पाकिस्तान तारीफ करते नहीं थक रहा

एजेंसी ● इस्लामाबाद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को हुए संघर्ष विराम का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप की ओर से किए जा रहे ट्वीट पर पाकिस्तान तारीफ करते नहीं थक रहा है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रालय एक्स पर पोस्ट पर अमेरिका का आभार जता रहे हैं।

बता दें कि ट्रंप ने रविवार सुबह कहा कि वे भारत और पाकिस्तान के साथ मिलकर कश्मीर के मुद्दे का हजार साल बाद हल निकालने की कोशिश करेंगे। इसके बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाद शरीफ ट्रंप की तारीफों के पुल बांधने में जुटे हुए हैं। शहबाज शरीफ ने एक्स पर लिखा कि मैं राष्ट्रपति ट्रंप के अग्रणी नेतृत्व और वैश्विक शांति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा दक्षिण एशिया में स्थायी शांति लाने में बड़ी भूमिका निभाने के उनके सबसे मूल्यवान प्रस्ताव के लिए उनका बहुत आभारी हूं। दशकों से पाकिस्तान और अमेरिका ऐसे साझेदार रहे हैं जिन्होंने हमारे आपसी हितों की रक्षा और संवर्धन के साथ-साथ दुनिया के महत्वपूर्ण हिस्सों में शांति और सुरक्षा के लिए मिलकर काम किया है। मुझे विश्वास है कि राष्ट्रपति ट्रंप के तौर पर पाकिस्तान को एक बेहतरीन साझेदार मिला है जो हमारी रणनीतिक साझेदारी को फिर से जीवंत कर सकता है और न केवल व्यापार और निवेश में बल्कि सहयोग के अन्य सभी क्षेत्रों में पाकिस्तान-अमेरिका संबंधों को मजबूत कर सकता है।

वहीं दूसरी ओर से डोनाल्ड ट्रंप के ट्वीट के बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट लिखकर कहा, पाकिस्तान दोनों देशों के संबंधों के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वक्तव्य का स्वागत करता है। हम पाकिस्तान और भारत के बीच हाल ही में हुए युद्धविराम समझौते का समर्थन करने में अन्य मित्र देशों के साथ-साथ संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा निभाई गई रचनात्मक भूमिका की सराहना करते हैं; यह तनाव कम करने और क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में एक कदम है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने आगे लिखा कि हम राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा जम्मू और कश्मीर विवाद के समाधान के उद्देश्य से किए जा रहे प्रयासों का समर्थन करने की इच्छा व्यक्त करने की भी सराहना करते हैं। यह एक ऐसा दीर्घकालिक मुद्दा है जिसका असर दक्षिण एशिया और उससे आगे की शांति और सुरक्षा पर पड़ता है। पाकिस्तान इस बात की पुष्टि करता है कि पाकिस्तान भी चाहता है कि जम्मू-कश्मीर विवाद का कोई भी समाधान संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के मुताबिक होना चाहिए। इसमें कश्मीरी लोगों के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए, जिसमें आत्मनिर्णय का उनका अविभाज्य अधिकार भी शामिल है। मंत्रालय की ओर से जारी बयान में आगे कहा गया है, पाकिस्तान क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और समृद्धि को बढ़ावा देने के प्रयासों में संयुक्त राज्य अमेरिका और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ जुड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। हम संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ अपनी बहुमुखी साझेदारी को और अधिक गहरा बनाने की आशा करते हैं, विशेष रूप से व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग के क्षेत्रों में।

इस बीच न्यूज एजेंसी ANI ने सूत्रों के हवाले से बताया कि भारत ने कहा है कि सीजफायर के बाद अब पाकिस्तान DGMO से ही बात होगी। कोई अन्य देश इसमें शामिल नहीं होगा। वहीं इंडियन एयरफोर्स ने कहा कि हमने ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। यह ऑपरेशन अभी जारी है। हम समय आने पर जानकारी देंगे। एयरफोर्स ने अफवाहों से बचने की अपील की है।

मंत्री विश्वास सारंग ने नगर निगम अधिकारियों को भोपाल के समस्त नाले-नालियों की सफाई के दिये निर्देश

मानसून के पहले शहर के समस्त नाले-नालियों का वृहद सफाई अभियान

संवाददाता ● भोपाल

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने रविवार को भोपाल शहर में नाले-नालियों की वृहद रुप से साफ-सफाई अभियान के तहत नरेला विधानसभा अतंर्गत प्रभात चौराहे पर ड्रेनेज सिस्टम का निरीक्षण कर नगर निगम के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मानसून में भोपाल शहर में जलभराव की स्थिति निर्मित ना हो इसके लिए वृहद रूप से सफाई अभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत भोपाल शहर के समस्त नाले-नालियों की सफाई सुनिश्चित होगी। साथ ही नालों में लोग कचरा ना डाले इसके लिए जनजागरण अभियान भी चलाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान भोपाल नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

अभियान

मानसून के पहले भोपाल के समस्त नाले-नालियां होंगे साफ

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि इस बार मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि मानसून भोपाल में एक सप्ताह पहले प्रवेश करेगा। इसे देखते हुए भोपाल शहर के समस्त नाले नालियों की वृहद रुप से सफाई अभियान शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष मानसून पूर्व नगर निगम यह सफाई अभियान करता है, परंतु इस वर्ष हमने निर्देशित किया है कि इस कार्य की शुरुआत पहले से ही कर दी जाए। ताकि समय पर सफाई कार्य पूर्ण हो सके। जिससे भविष्य में जलभराव की स्थिति निर्मित ना हो सके।

मंत्री सारंग ने जनजागरण और कचरा प्रबंधन पर दिया जोर

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मशीनों के माध्यम से समुचित रुप से नालों की सफाई सुनिश्चित की जाएगी और इसके साथ-साथ यह भी ध्यान रखा जाए कि जिन क्षेत्रों में नाले आसपास स्थित हैं, वहाँ के निवासियों को सूचना दी जाएगी कि वे नालों में कचरा न डालें। इस दिशा में जन जागरण अभियान भी चलाया जाएगा ताकि नागरिकों को नालों की स्वच्छता बनाए रखने की महत्ता समझाई जा सके। उन्होंने कहा कि पॉलीथीन जैसे अपशिष्ट पदार्थ नालों में जल प्रवाह को अवरुद्ध करते हैं, जिससे जलभराव और ओवरफ्लो की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके लिए नालों के समीप कचरा निस्तारण के लिए डंप स्टेशन भी बनाए जाएंगे, जिससे कि कचरा सीधे नालों में न जाए।

शॉट न्यूज

इंदौर में सिर पर पत्थर मारकर मजदूर की हत्या

इंदौर। नंदलालपुरा इलाके में रात फुटपाथ पर सो रहे एक मजदूर की सिर पर पत्थर मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान नारायण पांचाल (40) निवासी भोपाल के रूप में हुई है, जो वर्षों से इंदौर में रहकर हम्माली कर रहा था। घटना नंदलालपुरा सब्जी मंडी के पास की है। नारायण एक दुकान के बाहर सोया हुआ था, तभी रात करीब तीन बजे एक बदमाश वहां पहुंचा। उसने नारायण की जेब से पैसे निकालने की कोशिश की। जब नारायण ने विरोध किया तो आरोपी ने इंटरलॉक टाइल्स (पत्थर) से उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। डीसीपी हंसराज जैन ने बताया कि पत्थर की चोट से नारायण की मौत हुई है। सीसीटीवी फुटेज में कुछ संदिग्ध लोग दिखाई दिए हैं, जो साथ में रहते थे। उनमें से कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है। पीएम होने के बाद स्थिति और साफ होगी।

परिचित ने 5 कारें कमीशन पर मांगी, रख दी गिरवी

इंदौर। इंदौर की भंवरकुआ पुलिस इलाके में रहने वाले एक कार डीलर की शिकायत पर उसके परिचित के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में केस दर्ज किया है। बताया जाता है कि आरोपी ने कमीशन पर कार देने की बात कही थी। बाद में उसने अपने दोस्तों के पास कार गिरवी रख दी। भंवरकुआ पुलिस ने बताया कि मोनेस जयसवाल ने शनिवार को अपनी शिकायत में बताया कि वह रेंट पर कार देने का काम करते हैं। मेरी बडीज कार के नाम से दुकान है। धार के धरमपुरी स्थित मोती कॉलोनी निवासी निखिल भावसार परिचित है। उसने कहा कि वह भी कार किराये पर चलाना चाहता है। जिसका कमीशन उसे हर दिन पहुंचा दिया करेगा। करीब 2 माह पहले मोनेस ने अपनी 5 कारें उसे दे दी। इसका रेंट कुछ समय तक तो हर दिन आ जाता था लेकिन कुछ दिन बाद रेट देना बंद हो गया। उसे 4 मई को कॉल किया तो कहा कि सारी कार वापस कर देगा।

पति ने कर दी पत्नी के प्रेमी की चाकू से हत्या

इंदौर। विजय नगर क्षेत्र श्रीराम नगर में एक पति ने पत्नी के प्रेमी की हत्या कर दी। महिला पति को छोड़कर युवक के साथ रहने लगी थी। इस बात से पतिनाराज था। युवक दिनभर पत्नी औरयुवक बाबू बैरागी के साथ शहर में घूमता रहा। रात को भी वह पत्नी के प्रेमी के घर रुका और अलसुबह उठकर उसकी चाकू से हत्या कर दी। इसके बाद वह थाने पहुंच गया। पुलिस को उसने बताया कि वह हत्या करके आया है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर चाकू जब्त किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया। पुलिस के अनुसार आरोपी राजू यादव बिहार का रहने वाला है। उसकी पत्नी बाबू बैरागी नामक युवक से प्रेम करने लगी थी। वह उसके साथ रहती थी। बाबू एक क्लाउड कीचन में कुक था। वह मूल रुप से बंगाल का निवासी था। पहले राजू और उसकी पत्नी के बीच अक्सर विवाद होते थे। इस कारण पत्नी उसके घर से निकल आई थी।

लक्स कोज़ी ने पिंक के साथ वूमेंस-वियर के क्षेत्र में मजबूती से कदम रखा

लक्स इंडस्ट्रीज की ओर से आराम -आत्मविश्वास के एक नए अध्याय की शुरुआत

संवाददाता ● भोपाल

लक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (BSE: 539542 | NSE: LUXIND) बीते पाँच दशकों से भारतीय होजरी में एक भरोसेमंद नाम बन चुका है, जिसने आज पिंक (Pynk) के लॉन्च के साथ बड़े गर्व से वूमेंस-वियर के बाज़ार में कदम रखने की घोषणा की जो आज के जमाने की महिलाओं के प्रगतिशील अंदाज़ को दर्शाने वाला ब्रांड है। उत्कृष्ट कारीगरी की अपनी विरासत को संजोकर रखने वाले लक्स कोज़ी ने अब महिलाओं के परिधान की विकसित होती दुनिया में उसी भरोसे को प्रस्तुत किया है। पिंक (Pynk) नारी के कोमल स्वभाव के विचार से प्रेरित है, जो सिर्फ एक ब्रांड नहीं, बल्कि एक सोच है। इस बात पर गहराई से विश्वास ही इस ब्रांड के दिल में बसा है: कि हर महिला को अपने अरमानों, प्यार और अपनी भावनाओं को जाहिर करते हुए अपने जीवन में खुलकर आगे बढ़ने का पूरा हक़ है। सोच-समझकर डिजाइन किए गए और सावधानीपूर्वक तैयार किए गए प्रोडक्ट्स के ज़रिये, पिंक (Pynk) जीवन में संतुलन — यानी काम-काज और खेल-कूद के बीच, मज़बूती और कोमलता के बीच, अरमानों और जज़्बातों के बीच संतुलन बनाने की कला को सम्मान देता है। ब्रांड ने इस उद्देश्य से एक नया टीवीसी लॉन्च किया है और मशहूर अदाकारा श्रद्धा कपूर को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है, साथ ही वर्क. पिंक. प्ले. (Work. Pynk. Play.) नाम से एक 360-डिग्री कैंपेन की शुरुआत की है। रेडिफ्यूजन ब्रांड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तैयार किए गए इस टीवीसी को अभिषेक वर्मन ने निर्देशित किया है।

इस मौके पर श्री अशोक टोडी, चेयरमैन, लक्स इंडस्ट्रीज, ने कहा, "लक्स इंडस्ट्रीज में, हमने हमेशा बाज़ार के बदलावों का पहले से अनुमान लगाने और ग्राहकों की उम्मीदों के अनुरूप आगे बढ़ने में विश्वास किया है। पिंक (Pynk) का लॉन्च सचमुच हमारीप्रगति के सफ़र में एक बड़ी उपलब्धि है - जिसके माध्यम से हमने अपनीभरोसेमंद परंपरा को बड़ी तेजी से विकसित हो रही वूमंस-वेयर कैटेगरी में पेश कियाहै। पिंक के ज़रिए, हम लक्स कोज़ी पोर्टफोलियो के भीतर एक नया और दमदार वर्टिकल बनाना चाहते हैं। यह नए भारत के लिए सार्थक ब्रांड बनाने के हमारे सुनियोजित उद्देश्य को दर्शाता है।' इस साझेदारी और पिंक (Pynk) की नई रेंज के लॉन्च के बारे में बात करते हुए, श्री साकेत टोडी, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, लक्स इंडस्ट्रीज, ने कहा, 'हमारे लिए पिंक (Pynk) महज एक नया प्रोडक्ट लाइन नहीं है, बल्कि यह कोर और फैशन की बेमिसाल जुगलबंदी है, जिसने हमारे प्रोडक्ट रेंज को इस इंडस्ट्री में एक बेंचमार्क बना दिया है। होजरी में अपनी पाँच दशकों की विरासत और बाज़ार की गहरी समझ के साथ, हम पिंक (Pynk) को सुनियोजित विकास का इंजन मानते हैं।

निगम ने कुर्की आदेश को दी चुनौती न्यायालय में जमा कराए 22 लाख

इंदौर। कोर्ट द्वारा गणेशगंज में नगर निगम द्वारा एक मकान में की गई तोड़फोड़ पर 2.24 करोड का मुआवजा मंजूर किया गया था। यह राशि निगम द्वारा जमा नहीं किए जाने पर कोर्ट द्वारा कुर्की का आदेश जारी किया गया था। अब निगम ने कोर्ट में 22 लाख रुपए जमा करवाकर कुर्की के आदेश को चुनौती दी है। नगर निगम परिषद की बजट पर बैठक के समय कोर्ट की एक टीम नगर निगम में कुर्की करने के लिए पहुंच गई थी। रविशंकर मिश्रा इस टीम को लेकर पहुंचे थे । निगम द्वारा सड़क को चौड़ा करने के लिए 2017 में मिश्रा के गणेशगंज स्थित घर के हिस्से को तोड़ा गया था। उनकी जमीन निगम ने सड़क के लिए ले ली थी। उन्होंने निगम की कार्रवाई पर न्यायालय में निजी वाद दायर कर मुआवजे की मांग की। कोर्ट ने उनके पक्ष में 2.24 करोड रुपए के भुगतान का आदेश जारी कर दिया । आदेश के बाद निगम को यह राशि देनी थी। निगम ने नहीं चुकाई तो कोर्ट से निगम के नाम डिक्री जारी हो गई। इस डिक्री के आधार पर कोर्ट की टीम निगम में कुर्की करने पहुंची थी। उस समय तो निगम ने कुर्की की कार्रवाई रुकवा दी थी। निगम ने कोर्ट की टीम को यह भरोसा दिलाया गया था कि वह इस मामले में जल्द आगे की कार्रवाई करेंगे। अब निगम ने कुर्की की राशि की 10 प्रतिशत यानी की 22 लाख रुपए कोर्ट में जमा कराकर निगम द्वारा मुआवजा देने के कोर्ट के आदेश को अपील कर चुनौती दी है। जितनी राशि का मुआवजा स्वीकृत हो, उसका 10 प्रतिशत कोर्ट में जमा करना इस अपील करने के लिए जरूरी था। इसका पालन करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू की गई है। निगम द्वारा बदले की कार्रवाई करते हुए शिकायतकर्ता रविशंकर मिश्रा के मकान को सील कर दिया गया था।

डेला रिसॉर्ट्स एंड एडवेंचर ने पुणे में 1,100 करोड़ की थीम वाली

मेगा टाउनशिप के लिए हीरानंदानी कम्युनिटीज और क्रिसला डेवलपर्स के साथ मिलकर काम किया

एजेंसी ● मुंबई

भारतीय रियल एस्टेट सेक्टर में अपनी तरह के पहले कदम के तहत, डेला रिसॉर्ट्स एंड एडवेंचर ने पुणे में 1,100 करोड़ रुपये की राजस्व क्षमता वाली एक ऐतिहासिक, रेसकोर्स थीम वाली मेगा टाउनशिप शुरू करने के लिए हीरानंदानी कम्युनिटीज और क्रिसला डेवलपर्स के साथ एक मालिकाना CDDMOTM मॉडल में प्रवेश किया है। थीम आधारित आतिथ्य संचालित मॉडल रियल एस्टेट में एक नए निवेश वर्ग को खोलता है जिसमें 9% तक ROI प्राप्त करने की क्षमता है। यह मॉडल सुनिश्चित करता है कि मूल्य प्रस्ताव रियल एस्टेट से कहीं आगे तक फैला हुआ है, एक क्यूरेटेड लाइफस्टाइल इकोसिस्टम बनाता है जो बेजोड़ विलासिता, समुदाय और अनुभवात्मक आतिथ्य को मिलाता है।

पुणे के तेजी से विकसित हो रहे उत्तरी हिंजेवाड़ी में 40 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैले इस टाउनशिप में 8 एकड़ का रेसकोर्स और इंटरनेशनल पोलो क्लब, 128 निजी विला प्लॉट, 112 रिसॉर्ट निजी निवास, 300 चाबियों वाला 5-सितारा लक्जरी रिसॉर्ट, 9 विवाह स्थल स्थल, 12 कॉर्पोरेट और एमआईसीई स्थल, एक्सट्रीम एडवेंचर पार्क, डेला रेंज गोल्फ, स्वास्थ्य सुविधाएं और डेला की विशिष्ट डिजाइन संवेदनाओं द्वारा संचालित अनुभवात्मक स्थान शामिल होंगे। टाउनशिप की समकालीन जैविक और ब्रिटिश औपनिवेशिक वास्तुकला और डिजाइन शैली घर के मालिकों और निवेशकों की नई पीढ़ी की सौंदर्य संबंधी प्राथमिकताओं के साथ गहराई से प्रतिध्वनित होती है जो अनुभवात्मक जीवन, स्थिर रिटर्न और दीर्घकालिक परिसंपत्ति विकास को महत्व देते हैं।

इस विकास के पीछे दूरदर्शी, डेला रिसॉर्ट्स एंड एडवेंचर के संस्थापक और अध्यक्ष, जिमी मिस्त्री ने कहा, 'यह सिर्फ एक और टाउनशिप नहीं है - यह भारत में पहले कभी नहीं देखे गए रियल एस्टेट मॉडल का जन्म है। हमारे CDDMOTM दृष्टिकोण के साथ, हम रियल एस्टेट को एक उत्पाद से एक अनुभव में बदल रहे हैं, और एक स्थिर संपत्ति से एक गतिशील, उपज-उत्पादक निवेश में बदल रहे हैं। यह पहली बार है जब आवासीय रियल एस्टेट 3% के पारंपरिक उद्योग मानदंडों से अधिक रिटर्न दे रहा है - पारंपरिक अपेक्षाओं को तोड़ते हुए रियल एस्टेट निवेश पर 9% तक का सुनिश्चित रिटर्न दे रहा है। यह लक्जरी भविष्य के अनुकूल जीवन है, जिसे सटीकता के साथ क्यूरेट किया गया है और डिजाइन, नवाचार और परिचालन उत्कृष्टता द्वारा संचालित किया गया है।'

उद्योग के दिग्गज, डॉ. निरंजन हीरानंदानी - चेयरमैन-हीरानंदानी कम्युनिटीज ने इस साझेदारी पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, 'भारतीय रियल एस्टेट परिदृश्य में आमूलचूल परिवर्तन हो रहा है, जो एकीकृत, वन-स्टॉप गंतव्यों में जीवनशैली-केंद्रित जीवन जीने के लिए घर खरीदारों की बढ़ती आकांक्षाओं से प्रेरित है। उद्योग को ऐसे रुझानों को अपनाना चाहिए जो ग्राहक-केंद्रितता को बढ़ाने के लिए स्थान और सेवाओं के निर्बाध एकीकरण पर जोर देते हैं। जैसे-जैसे आधुनिक घर खरीदारों की प्राथमिकताएँ विकसित होती जा रही हैं, रियल एस्टेट डेवलपर्स को महत्वाकांक्षी भारतीय घर मालिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुकूलित अभिनव पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए संबद्ध उद्योगों के साथ सहयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

भारतीय रेल में पहली बार, रेल संरक्षा को मिला नया आयाम

संवाददाता ● भोपाल

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने रेल सिग्नल प्रणाली को और अधिक सुरक्षित और तेज़ बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल की है। गौरतलब है कि भारतीय रेल में पहली बार, भोपाल मंडल के निशातपुरा यार्ड में ऐसी तकनीक शुरू की गई है, जिसमें सिग्नल ऑपरेशन अब तारों की बजाय ऑप्टिकल फाइबर के ज़रिए किया जाएगा। अब तक जो सिग्नल प्रणाली चल रही थी, उसमें अलग-अलग तारों के ज़रिए सिग्नलों को कंट्रोल किया जाता था। पर इसमें समय लगता था, और कई बार खराबी की संभावना भी रहती थी। यह नवीनतम तकनीक ऑप्टिकल फाइबर केबल पर आधारित है, जो पारंपरिक संकेत प्रणाली की तुलना में अधिक तेज, सुरक्षित और विश्वसनीय मानी जा रही है। नई तकनीक में 'लैम्प आउटपुट मॉड्यूल' नाम का एक यंत्र लगाया गया है, जो सीधे कंट्रोल रूम से सिग्नल तक ऑप्टिकल फाइबर के ज़रिए सिग्नल भेजता है।

तकनीक

यह क्या है?

- यह एक नई सिग्नल तकनीक है, जिसमें रेलवे ट्रैक पर लगे सिग्नल अब फाइबर लाइन से सीधा कंट्रोल होंगे।
- इसमें कोई भारी वायरिंग नहीं होगी, सब कुछ फाइबर के ज़रिए होगा, जिससे सिग्नल तेज़ी से और बिना रुकावट के काम करेगा।

इसका फ़ायदा क्या है?

- सिग्नल कभी 'ब्लैंक' नहीं होंगे, यानी अगर एक सिग्नल गड़बड़ करे तो भी ट्रेन को सिग्नल का आस्पेक्ट दिखाई देगा।
- तकनीक ट्रेनें ज़्यादा सुरक्षित और समय पर चलेंगी।
- सिस्टम के साथ स्वचालित पंखा भी जुड़ा है जो ज़रूरत पड़ने पर खुद चालू होकर मशीन को गर्म होने से बचाता है।
- अगर एक लाइन खराब हो जाए तो दूसरी फाइबर लाइन से काम चलता रहेगा – यानी सिस्टम कभी नहीं रुकेगा।
- सिग्नल का रख-रखाव आसान और कम खर्चीला होगा|

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि इस तकनीक की शुरुआत S/SH-15 और S/SH-16 नाम के दो सिग्नलों पर निशातपुरा यार्ड में की गई है। भोपाल से बीना के मध्य रेलखंड पर इस तकनीक को चरणबद्ध तरीके से लागू करने का कार्य प्रारंभ हो चुका है। योजना के अनुसार, जून 2026 तक पूरे रेलखंड में यह उन्नत प्रणाली सक्रिय कर दी जाएगी। यह तकनीक आगे चलकर देशभर की रेलवे लाइनों को और सुरक्षित और आधुनिक बनाने में अहम भूमिका निभाएगी।

चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय के जीर्णोद्धार पर खर्च होंगे 8 करोड़

संवाददाता ● इंदौर

चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय जल्द ही प्रदेश का सबसे बेहतर और मॉडल हॉस्पि टल बनने जा रहा है। इसकी तैयारियों को लेकर कलेक्टर आशीष सिंह, निगम आयुक्त शिवम वर्मा और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने दौरा किया। इस अस्पताल का उद्घाटन 16 मई को मुख्यमंत्री मोहन यादव के हाथों होना प्रस्तावित है।

कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि अस्पताल के जीर्णोद्धार का कार्य तेजी से जारी है और इसे प्रदेश का सबसे बेहतर और मॉडल हॉस्पिटल बनाने के लिए आधुनिक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। अस्पताल में होने वाले सुधार व जीर्णोद्धार कार्य दो चरणों में पूरा किया जाएगा, जिसमें लगभग 8 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बेड की संख्या 100 से बढ़ाकर 200 की जाएगी। चिकित्सकों और पैरा मेडिकल स्टाफ की संख्या में भी वृद्धि होगी। इसके तहत डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की संख्या बढ़ाना प्रस्तावित है,ताकि मरीजों को बेहतर इलाज मिल सके। अस्पताल में आधुनिक सुविधाएं भी जुटाई जा रही हैं।

सबसे ज्यादा असर उत्तर भारत जाने वाली गाड़ियों पर

युद्ध के डर से यात्रा टाली, वेटिंग वाली ट्रेनों में भी मिल रहे टिकट

संवाददाता ● इंदौर

जम्मू-कश्मीर समेत राजस्थान, पंजाब और गुजरात की ओर जाने वाली ट्रेनों पर असर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात फिर से बनने की आशंका से यात्रियों में डर का माहौल है। इसी कारण बड़ी संख्या में लोग अपनी तय यात्राएं निरस्त कर रहे हैं। इसका सबसे ज्यादा असर जम्मू-कश्मीर समेत राजस्थान, पंजाब और गुजरात की ओर जाने वाली ट्रेनों पर देखने को मिल रहा है। इंदौर से जम्मू होते हुए कटरा जाने वाली मालवा एक्सप्रेस में ही अब तक चार लाख रुपये से अधिक कीमत के टिकट रद्द हो चुके हैं। पहले जिन ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट आम बात थी, उनमें अब आसानी से टिकट मिल रहे हैं। रेलवे टिकट एजेंट ने बताया कि हाल के दिनों में हालात को देखते हुए बड़ी संख्या में लोग टिकट कैंसिल करवा रहे हैं। मालवा एक्सप्रेस में आम तौर पर कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल होता है, इसलिए लोग काफी पहले से बुकिंग करवा लेते हैं। लेकिन बीते दो दिनों में उन्होंने 100 से अधिक टिकट रद्द किए हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 2 लाख रुपये है। इसके चलते अब इस ट्रेन में आरएसी (रिजर्वेशन अगेंस्ट कैंसिलेशन) के टिकट भी आसानी से मिल रहे हैं। इसके बाद उन्होंने करीब 90 हजार रुपये की टिकट और रद्द की, जिनमें ज्यादातर टिकट स्लीपर और थर्ड एसी क्लास के थे। उन्होंने बताया कि अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले यात्री भी इस ट्रेन का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें अब टिकटों की उपलब्धता आसान हो गई है।

वेटिंग

सबसे ज्यादा मालवा एक्सप्रेस के रद्द हो रहे टिकट

रेलवे टिकट एजेंट्स के अनुसार, मालवा एक्सप्रेस में सबसे ज्यादा टिकट निरस्तीकरण की मांग आ रही है। यात्रियों ने गर्मी की छुट्टियों के लिए पहले से टिकट बुक कर रखे थे, लेकिन वर्तमान हालात को देखते हुए अब वे अपनी यात्रा से पीछे हट रहे हैं। इसमें कश्मीर घूमने जाने वाले पर्यटक और माता वैष्णोदेवी के दर्शन करने वाले श्रद्धालु भी शामिल हैं।

राजस्थान की ट्रेनों में भी कम हुई भीड़ - ट्रेवल एजेंट ने बताया कि इंदौर से जोधपुर, जयपुर और बीकानेर जैसी प्रमुख जगहों के लिए चलने वाली सीधी ट्रेनों में भी पहले गर्मी की छुट्टियों में भारी वेटिंग रहती थी, लेकिन अब इनमंत भी आसानी से टिकट मिल रहे हैं। वहीं जो लोग पहले से यात्रा पर थे, वे अब जल्द लौटने की कोशिश कर रहे हैं। कई एयरपोर्ट्स से उड़ानें बंद हो जाने के कारण भी यात्री ट्रेनों का सहारा ले रहे हैं। इससे आने वाली ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट देखने को मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने भूमिपूजन कर कहा- अब इंदौर को मिलेगा नया सांस्कृतिक और पर्यटन केंद्र

शहर में स्थापित होगी स्वामी विवेकानंद की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा

संवाददाता ● इंदौर

उद्घाटन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को गरिमामय कार्यक्रम में सिरपुर स्थित देवी अहिल्या सरोवर उद्यान में स्वामी विवेकानंदजी की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्थापना के लिए भूमिपूजन किया। महापुरुषों के जीवन दर्शन को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के उद्देश्य से यह एक ऐतिहासिक पहल की जा रही है। यह भव्य प्रतिमा स्वामीजी की शिक्षाओं और दर्शन को जन-जन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम बनेगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में संत परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है और उनमें से स्वामी विवेकानंद एक अद्वितीय एवं विलक्षण संत थे। उन्होंने निराकार ईश्वर के उपासक के रूप में मानवता की सेवा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया। स्वामी विवेकानंदजी का मानना था कि मैं देखूंगा तो ही मानूंगा, जो उनके तर्कशील और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। स्वामी विवेकानंदजी ने शरीर के माध्यम से जीवन

सेवा का मंत्र दिया और आत्मनिर्भरता का आशीर्वाद प्राप्त कर मृत्यु पर विजय प्राप्त की। उन्होंने दुर्बलता और हीनता को जीवन का हिस्सा मानने से इनकार करते हुए इसे मृत्यु के समान बताया। उनका विश्वास था कि साहस, सामर्थ्य और आत्मबल के सहारे व्यक्ति सभी कमजोरियों को पार कर सकता है। डॉ. यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंदजी का संपूर्ण जीवन त्याग, सेवा और आत्मबोध का प्रतीक था। शिकागो धर्म संसद में दिया गया उनका ऐतिहासिक भाषण 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना का जीवंत उदाहरण है, जिसने विश्व पटल पर भारत की संस्कृति और अध्यात्म की गूंज पहुंचाई। उन्होंने जीवन को अंदर से बाहर की ओर विकसित करने का मंत्र दिया और कर्म को ही साधना बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आह्वान किया कि स्वामी विवेकानंदजी के सिद्धांत और विचार आज भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए, ताकि समाज का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। यह मूर्ति स्थापना इस दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा स्थापित करने के साथ ही यहां पर लाइब्रेरी की भी स्थापना की जाए जिसमें विवेकानंदजी से संबंधित साहित्य हो। इससे युवाओं को जीवन में सफलता का मार्गदर्शन मिलेगा और जीने की नई राह मिलेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि यह प्रतिमा न केवल युवाओं को स्वामी विवेकानंदजी के विचारों से अवगत कराएगी, बल्कि उन्हें उनके बताए मार्ग पर चलने के लिए भी प्रेरित करेगी। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायकगण मालिनी गौड़, रमेश मेंदोला तथा राकेश शुक्ला, पूर्व विधायक जीतू जिराती और सुदर्शन गुप्ता, सुमित मिश्रा सहित अन्य प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

प्रतिमा की ये होंगी खासियत

ऊंचाई- संरचनात्मक आधार सहित कुल ऊंचाई लगभग 52 फीट

वजन- 14 टन

निर्माण सामग्री- विभिन्न धातुओं का मिश्रण — जलवायु प्रतिरोधी और दीर्घकालिक स्थायित्व के लिए उपयुक्त

विशेष मान्यता- वर्तमान में विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा (35 फीट) कर्नाटक के उडुपी में है और इंदौर की प्रतिमा उसे पीछे छोड़ देगी

निर्माण और विकास कार्य

इस प्रतिमा का निर्माण देश के ख्यातिप्राप्त मूर्तिकार नरेश कुमावत द्वारा किया जाएगा, जिन्होंने देशभर में कई प्रतिष्ठित मूर्तियाँ निर्मित की हैं। प्रतिमा स्थल पर स्वामी विवेकानंदजी के जीवन और विचारों पर आधारित विशेष गैलरी भी स्थापित की जाएगी, जहाँ चित्रों, दस्तावेजों और डिजिटल माध्यमों से युवाओं को प्रेरित किया जाएगा। यह स्थान इंदौर के लिए एक नई पहचान, सांस्कृतिक गौरव और पर्यटन विकास का केंद्र बनेगा।

शॉर्ट न्यूज

पेड़ गिरने से बाल-बाल बची महिला

इंदौर। विधानसभा 1 के वार्ड 6 स्थित रामचन्द्र नगर एक्टेंशन में भाजपा नेता कपिल शर्मा रहते हैं। यहीं पर सार्वजनिक उद्यान भी है। चार महीने से खतरनाक हालत में जो पेड़ था, वह शनिवार सुबह अचानक गिर गया। इस समय उद्यान में मॉर्निंग वाक के लिए एक महिला भी पास से ही निकली थी, जो बाल बाल बची। कपिल शर्मा ने बताया कि क्षेत्र के रहवासियों के अलावा बच्चे भी बगीचे में आते हैं। गनीमत रही कि पेड़ गिरने के समय वहां कोई बच्चे नहीं थे। कपिल गत 4 महीने से निगम के उद्यान विभाग में लगातार इस खतरनाक पेड़ के मामले में जानकारी दे रहे थे। कह रहे थे कि कुछ डगालें जो ज्यादा लटक रही हैं, उन्हें हटा दिया जाए, नहीं तो यह पेड़ गिर जाएगा। इस पर उद्यान विभाग के अधिकारियों के अलावा क्षेत्र के जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया और पेड़ गिर गया। कपिल शर्मा को जब जानकारी लगी तो वे तत्काल उद्यान में पहुंचे और वहीं से जिम्मेदार अधिकारियों को फोन भी लगाया और उन्हें खरी-खरी सुनाई।

60 फीट रोड पर पैचवर्क के बावजूद फिर फंसा ट्रक

इंदौर। एयरपोर्ट क्षेत्र के 60 फीट रोड पर विगत दिनों मुख्य मार्ग पर विकास कार्य के लिए खुदाई की गई थी, इस खुदाई के कारण रहवासियों को परेशानी भी हुई थी। कई दिनों गड्ढों को ऐसे ही छोड़ दिया गया था। इसके बाद रहवासियों ने आवाज उठाई तो गड्ढों के ऊपर पेचवर्क करवा दिया गया। पेचवर्क से पहले कई बार रोड पर बड़े वाहन के टायर गड्ढों में फंस चुके थे। पेचवर्क के बावजूद एक ट्रक फिर फंस गया। ट्रक क्रमांक एमपी 09 जीएफ 5887 के दोनों टायर फंस गए। ट्रक में रेती भरी हुई थी। हालत यह बने कि ट्रक के एक ओर के पहिये ऊपर उठ गए तो ड्रायवर और क्लीनर ने सूझबूझ दिखाते हुए बल्ली का उपयोग कर ट्रक को पलटने से बचा लिया।

गोडाउन में युवक के सिर पर मार्बल गिरा, दब जाने से मौत

इंदौर। द्वारकापुरी इलाके में एक मार्बल गोडाउन में युवक की मौत की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वह गोडाउन की चाबी तलाश रहा था। इसी दौरान मार्बल खींचा, जिससे भारी वजन के कारण मार्बल गिर पड़े और एक मार्बल सिर पर आकर लगा। लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले ही वह युवक मार्बल के नीचे दब गया। घटना के तुरंत बाद उसको अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक वह दम तोड़ चुका था। द्वारकापुरी पुलिस के मुताबिक, मृतक का नाम फरीद (19) पिता जमउद्दीन निवासी सिरपुर काकड़ है। घटना शुक्रवार रात द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में स्थित न्यू पेशवा मार्बल गोदाम की है। एएसआई राम सिंह बघेल ने बताया कि घटना द्वारकापुरी इलाके में मार्बल गोडाउन की है। गोडाउन बंद करने के लिए वह चाबी तलाश रहा था, तभी यह हादसा हो गया। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सीसीटीवी कैमरे में कैद इस घटना में साफ देखा जा सकता है कि मार्बल के आसपास कुछ युवक चाबी की तलाश कर रहे हैं। इस बीच वे वहां से आगे बढ़ जाते हैं, जबकि फरीद वहीं खड़ा रहता है।

तालाब गहरीकरण के लिए किया श्रमदान
मुख्यमंत्री ने कनाड़िया में जल संरक्षण की दिलाई शपथ

लोकमाता अहिल्या ने सुशासन से ही प्रशस्त किया जनकल्याण का मार्ग

संवाददाता ● इंदौर

मामला

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई ने सुशासन के साथ जनकल्याण के कार्य कर देश के विकास के लिये एक आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने देश में धर्मशालाएं, नदियों के घाट, अन्न क्षेत्र व मंदिर बनवाये हैं। उन्होंने बनारस व सोमनाथ में मंदिर भी बनवाए हैं। उनके द्वारा शुरू कराई गई महेश्वरी साड़िया आज भी प्रसिद्ध है। अहिल्या माता के स्मरण में 20 मई को इंदौर में कैबिनेट की बैठक का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर के कनाड़िया में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत अहिल्या माता द्वारा सैकड़ों वर्ष पूर्व निर्मित बावड़ी के जीर्णोद्धार कार्य के लोकार्पण अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने जल संरक्षण के लिये तालाब गहरीकरण करने श्रमदान किया और जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई। उन्होंने देश की सुरक्षा के लिये बलिदान देने वाले शहीदों को अभिनंदन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में हमारी सेना ने देश की सुरक्षा के लिये सराहनीय कार्य किया है और दुश्मन को सबक सिखाया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारा देश निरंतर तरक्की कर रहा है। आज हमारे देश की अर्थव्यवस्था विश्व में चौथे नम्बर की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश की सीमा पर तैनात जवान और खेतों मे अनाज पैदा कर रहा किसान दोनों हमारे लिये एक समान है। हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिये निरंतर काम कर रही है। सिंचाई की सुविधा बढ़ाने के लिये नदी जोड़ो परियोजना पर काम किया जा रहा है। किसानों को अत्यंत कम दर

पर बिजली कनेक्शन देने की व्यवस्था की गई है। किसानों को सोलर पम्पत लगाने के लिये अनुदान दिया जा रहा है। सोलर पम्प लगाकर किसान अपने लिये बिजली का उत्पादन करने के साथ ही अतिरिक्त बिजली सरकार को बेचने में सक्षम होंगे। इससे उन्हें बिजली का बिल भी नहीं देना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार महिलाओं के सशक्तीकरण पर भी ध्यान दे रही है। इसी का परिणाम है कि इंदौर जिले में दो लाख 3 हजार 395 बालिकाओं को लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ मिल रहा है और 4 लाख 48 हजार 398 बहनों को लाड़ली बहना योजना का लाभ मिल रहा है। प्रदेश सरकार लाड़ली बहनों के लिये राशि की कमी नहीं होने देगी।

पानी की बूंद-बूंद बचाना जरूरी : सिलावट

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि हमारी आने वाली पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य के लिये हम सभी को अपने जीवन का हर दिन एक घंटा जल की एक-एक बूंद बचाने में सहयोग के लिये देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने नदियों को जोड़ने का सपना देखा था उस सपने को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार साकार करने जा रही है। इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा कनाड़िया के लिये 165 करोड़ रुपये की योजना लाई जा रही है। कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन व आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मालिनी गौड़, गोलू शुक्ला तथा अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

द चेंजमेकर कॉन्क्लेव में युवाओं से बोले सीएम

पूरा प्रदेश इंदौर जैसा बने, यही हमारी सोच

संवाददाता ● इंदौर

शहर में रविवार को आयोजित द चेंजमेकर कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने सहभागिता कर विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों, युवाओं और जनप्रतिनिधियों से संवाद किया। हँसी, प्रेरणा और विचारों के आदान-प्रदान से भरपूर यह आयोजन नवाचार, सुशासन और सामाजिक परिवर्तन पर केंद्रित रहा।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरा प्रदेश इंदौर जैसा बने, यही हमारी सोच है। उन्होंने जनविश्वास अधिनियम सहित कई योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि अब उद्योग स्थापना के लिए 29 विभागों की अनुमति की आवश्यकता नहीं रह गई है, जिससे औद्योगिक विकास को गति मिली है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा फिल्म निर्माण, वेब सीरीज जैसे प्रोजेक्ट्स को पर्यटन के माध्यम से प्रोत्साहित किया जा रहा है और अनुदान की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा गरीबों, युवाओं, महिलाओं और किसानों के लिए किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में खेल स्टेडियम और हेलीपैड बनाए जा रहे हैं, पाँच रुपये में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है और जल उपयोग की दिशा में भी ठोस कार्य हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों में 'पुलिस बैंड पुनर्गठित किए गए। अंत में उन्होंने कहा कि मूल भावना बहुत अच्छी है, सरकार के माध्यम से हम प्रयासरत हैं कि प्रदेश में प्रत्येक श्रेणी के नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ मिलें। 'द चेंजमेकर कॉन्क्लेव' सकारात्मक पहल का उत्कृष्ट उदाहरण है।

माँ अहिल्या बावड़ी का लोकार्पण

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कनाडिया में स्थित माँ अहिल्या बावड़ी का लोकार्पण किया। जल गंगा संवर्द्धन अभियान के अंतर्गत इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा लगभग 1 करोड़ की लागत से इसका जीर्णोद्धार कराया गया है। जल संसाधन मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक तुलसीराम सिलावट ने बताया कि होलकरकालीन इस बावड़ी का निर्माण लगभग 200 साल पहले देवी अहिल्याबाई द्वारा कराया गया था। 60 मीटर लम्बाई, 21 मीटर चौड़ाई एवं 15 मीटर गहराई लिए हुए इस बावड़ी

की क्षमता 1.68 एमएलडी (लगभग 16 लाख 80 हजार लीटर) जल के संधारण की है। बावड़ी के जीर्णोद्धार के साथ ही प्राचीन शिव मंदिर को मूल स्वरूप में रखते हुए नवीनीकरण किया गया है। मालवा की मूल कला, माँड़ना से बावड़ी पर सुंदर कलाकृति बनाई गई है।

मुख्यमंत्री ने रेसीडेंसी कोठी परिसर में किया भूमिपूजन

सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट जजों के लिए बनाएंगे गेस्ट हाउस

संवाददाता ● इंदौर

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि इंदौर में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के लिए गेस्ट हाउस बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रेसीडेन्सी कोठी परिसर इंदौर में गेस्ट हाउस का शिलान्यास किया। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे. के. माहेश्वरी, न्यायमूर्ति एस.सी.शर्मा, उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत, उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायमूर्ति एवं निर्माण समिति के चेयरमैन संजीव सचदेवा मौजूद थे। शिलान्यास समारोह में उच्च न्यायालय के एडमिनिस्ट्रेटिव जज विवेक रुसिया,उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल धर्मेन्द्र सिंह, न्यायामूर्ति आनंद पाठक आदि भी उपस्थित थे।

बोले- आर्थिक संबल देते हैं ऐसे आयोजन

मालवा उत्सव में लोक कलाकारों का हौसला बढ़ाया सीएम ने

संवाददाता ● इंदौर

आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को ऐतिहासिक लालबाग परिसर में आयोजित मालवा उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने वहाँ विभिन्न प्रदेशों से आए लोक कलाकारों से मुलाकात की, उनसे संवाद किया तथा उनका हौसला भी बढ़ाया। मालवा उत्सव में देश के विभिन्न प्रदेशों के साथ ही मप्र के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोक कलाकार अपने लोक कलाओं का प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बुनकर और अन्य हस्तशिल्प कलाकारों ने अपनी पारंपरिक हस्तकला, बुनकरी, मिट्टी और धातु की कलाकृतियाँ प्रदर्शित की है।मुख्यमंत्री ने कलाकारों से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना

की। उन्होंने कहा कि मालवा उत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत और लोककला की जीवंत प्रस्तुति है। यह आयोजन न केवल कलाकारों को मंच प्रदान करता है, बल्कि जनमानस को भी अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर देता है। मुख्यमंत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार पारंपरिक कला, संस्कृति और शिल्प के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने मालवा की सांस्कृतिक समृद्धि और उत्सवों की परंपरा को गौरव बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय शिल्पकारों को आर्थिक संबल भी प्राप्त होता है। प्रारंभ में सांसद तथा लोक संस्कृति मंच के संस्थापक शंकर लालवानी ने स्वागत भाषण देते हुए आयोजन के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह मालवा उत्सव कला-संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से लगातार 25 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने ऐतिहासिक राजबाड़ा और लालबाग के विकास के लिए राशि स्वीकृत करने हेतु मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया।

क्या आप टीनएजर्स से सही समय पर पैसों के बारे में बात कर रहे हैं?

वार्षिक परिणाम आ चुके हैं। विश्वविद्यालय पांच वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रमों या तीन वर्षीय ग्रेड पाठ्यक्रमों के लिए स्वीकृति-पत्र भेज रहे हैं। अचानक मध्यम वर्ग के परिवार भविष्य की शिक्षा के खर्चों को पूरा करने के लिए तंग वित्तीय रस्सी पर चलते दिखाई देने लगे हैं। मुझे इसका एहसास तब हुआ, जब एक पिता-पुत्र ने मदद के लिए मुझसे संपर्क किया। पिता इस बात को लेकर स्पष्ट थे कि उन्होंने कॉलेजों में पढ़ाई की वर्तमान लागत का केवल 30% ही आकलन लगाया था और बीते वर्षों में उसी के अनुसार बचत की थी। ह्लअगर मैं दूसरे बच्चे के लिए बचाई राशि को भी बड़े बच्चे के लिए खर्च कर देता हूं तो मेरे लिए स्नातक की साधारण पढ़ाई और विवाह के खर्चों को भी पूरा करना मुश्किल हो जाएगा, पिता ने दुःख जताते हुए मुझसे कहा।

उन्होंने आगे कहा, ह्लइसलिए मैं उससे अनुरोध कर रहा हूं कि वह अपनी शिक्षा के खर्चों में समझदारी से काम ले।ह्व और तब, गुरुवार रात हम कॉलेज में प्रवेश लेने जा रहे उस युवा लड़के के लिए वित्तीय योजना बनाने बैठे। दोनों से बात करते हुए मुझे एहसास हुआ कि उन परिवारों के विपरीत- जो फीस के कुछ या सभी पैसों का भुगतान करते हैं- यह परिवार चाहता था कि पिता की बचत के शुरूआती पैसों के अलावा छात्र अपनी शिक्षा के लिए खुद ही जिम्मेदार हो। मैंने लड़के से एक्सेल चार्ट तैयार करवाया। चार्ट देखते हुए स्वयं पैरेंट्स होने के नाते हम समझ गए कि यह कितना महंगा है, लेकिन एक टीनएजर के लिए वो आंकड़ा ज्यादा मायने नहीं रखता था। मेरा काम एक बाहरी व्यक्ति के रूप में उसे वह समझाना था। मैंने उसके पिता के साथ पूरे साल के खर्च का एक और चार्ट बनवाया। दोनों चार्ट की तुलना करके पाया कि वह अपनी शिक्षा के लिए परिवार की आय में से कितना प्रतिशत पैसा लेने जा रहा था।

इसके अलावा, मैंने बताया कि उस किशोर के चार्ट में ट्यूशन फीस, आवास लागत और भोजन-व्यय जैसे खर्चों का कोई विस्तृत ब्योरा नहीं था। ये तीन ऐसे प्रमुख क्षेत्र हैं, जिनमें मासिक आमदनी का 80% खर्च होता है। वह जिस जगह पर रहेगा, उनका किराया भी अलग-अलग होता है। अगर वह विश्वविद्यालय छात्रावास में रहने का फैसला करता है तो अपने घर में जिन सुविधाओं के साथ वह बड़ा हुआ है, उससे उसे समझौता करना होगा। पिछले 10 वर्षों में जो भी विश्वविद्यालय खुले हैं, वे मुख्य शहर से दूर हैं, और उनमें पढ़ाई करने की एक परिवहन-लागत है, जो कुल खर्च का लगभग 20% है। उस युवा लड़के ने अपने चार्ट में इसे भी शामिल नहीं किया था। तमाम खर्चे तय होने के बाद हमने भुगतान के शेड्यूल पर चर्चा की। उसके पिता ने बताया कि वे इसमें कितना योगदान दे सकते हैं। इस बेसलाइन को लिखने के बाद हमने खर्चों को प्रबंधित करने के अन्य तरीकों पर चर्चा की। इनमें बैंक से उधार लेने से लेकर रिश्तेदारों के योगदान तक कई अन्य उपाय शामिल थे। मैं देख सकता था कि उस टीनएजर का चेहरा कठोर और अधिक गंभीर होता जा रहा था।यही वह समय था, जब मैंने उससे पूछा कि क्या 18 की उम्र के बाद तुम्हारे लिए दिन में पांच घंटे किसी जगह काम करना संभव होगा? वह तुरंत तैयार हो गया। फिर हमने एक और चार्ट बनाया, जिसमें हमने उसके स्किल-सेट को लिखा, जिसकी मदद से बाजार से पैसे पाए जा सकते थे। उसके पिता ने आखिरकार उससे पूछा कि नौकरी मिलने तक दो सालों में वह अपने किन खर्चों में कटौती कर सकता है। फिर एक कॉस्ट-कटिंग चार्ट बनाया गया और तीन घंटे की बातचीत के अंत में जाकर किशोर को इस बात का ठीक-ठाक अंदाजा हो गया था कि फाइनेंस क्या होता है और एक-एक रुपया कमाना कितना मुश्किल है। तभी पिता ने कहा कि अगर वह समय के साथ भुगतान करने का वादा करता है तो वे पूरे कोर्स के लिए उसकी वित्तीय-सहायता करेंगे। फंडा यह है कि भले ही आप अपने बच्चों की उनके विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के लिए पूरी तरह से सहायता कर रहे हों, लेकिन उनकी पढ़ाई पर होने वाले खर्चों के ब्योरों में उन्हें भी शामिल करना जरूरी है। यह निश्चित रूप से उन्हें अपनी पढ़ाई को और गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित करेगा। पिछड़ी जाति को भी समझना होगा कि उन्हें ज्ञान-अर्जन, विद्वता, कार्य-कुशलता, समाज-कल्याण, मधुर वाणी और शिष्टाचार से समाज में सम्मान मिलेगा, सिर्फ पद पाने और अकुशल रहने से नहीं।

ाह परिवार चाहता था कि पिता की बचत के शुरूआती पैसों के अलावा छात्र अपनी शिक्षा के लिए खुद ही जिम्मेदार हो। मैंने लड़के से एक्सेल चार्ट तैयार करवाया। चार्ट देखते हुए स्वयं पैरेंट्स होने के नाते हम समझ गए कि यह कितना महंगा है, लेकिन एक टीनएजर के लिए वो आंकड़ा ज्यादा मायने नहीं रखता था। मेरा काम एक बाहरी व्यक्ति के रूप में उसे वह समझाना था। मैंने उसके पिता के साथ पूरे साल के खर्च का एक और चार्ट बनवाया।

संत वचन

जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार करना जारी रखा।ईश्वर हम सभी के साथ रहें और वह हमारे हर प्रयास और प्रयासों को आशीर्वाद दें ताकि हम सभी चीजों में उनकी महिमा करते रहें। इसके बजाय, ईसाइयों के रूप में, यह हमेशा महत्वपूर्ण है कि हम विनम्र रहें और दूसरों की बात सुनने के लिए तैयार रहें, खासकर भगवान की बात सुनने में। एंटिओक के सेंट इग्नाटियस प्रेरितों के शुरूआती उत्तराधिकारियों में से एक थे और प्रेरितों के महान मिशनरी कार्यों के समय में ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए थे, जो चर्च की स्थापना कर रहे थे और दुनिया भर में कई लोगों को खुशखबरी फैला रहे थे। चर्च के इतिहास और परंपरा के अनुसार एंटिओक के सेंट इग्नाटियस सेंट जॉन द एपोस्टल के शिष्य थे, और इसलिए प्रेरितों के बारे में सीधे जानते थे और उनसे सच्चाई प्राप्त की, जिसे उन्होंने खुद सबसे अधिक ईमानदारी से कायम रखा और अपने मंत्रालय में प्रचार करना जारी रखा।

अभी हम युद्ध के कौन-से पायदान पर हैं?

भारत और पाकिस्तान तकरार बढ़ाने वाली सीढ़ी पर पैर रख चुके हैं, अब सवाल यह है कि इससे उतरने का मुकाम कब आएगा? पहलगाम इस संघर्ष की सीढ़ी का पहला पायदान था। 6/7 मई की दरमियानी रात ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने दूसरी सीढ़ी पर कदम रख दिया। जब मैं यह लेख लिख रहा था, तब जम्मू, पठानकोट और जैसलमेर में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन-मिसाइलें दागे जा रहे थे। पाकिस्तान ने अप्रत्याशित रूप से कबूल किया है कि उसके दो जेएफ-2 लड़ाकू जेट विमान मार गिराए गए हैं, जबकि भारतीय सूत्रों का मानना है कि उन्होंने एक एफ-16 विमान को भी धराशायी किया है। घटनाएं बहुत तेजी से घट रही हैं, इसलिए मैं आंखों देखा हाल बताने की जगह वर्तमान संकट के कारण उभरे प्रमुख मसलों के बारे में चर्चा करूंगा। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले के बाद से हमारी चचाओं में आपस में जुड़ी तीन बातें उभरती रही हैं। ये हैं- ह्यकाइनेटिकह्न (गतिशील) जवाबी कार्रवाई, ह्यएस्केलेटरी लैडर (संघर्ष बढ़ाने वाली सीढ़ी) और ह्यऑफ-रैम्प (निकासी मार्ग)।

एडिट.नोट

वैसे, इन तीनों से पहले भी एक शब्द आता है जिसका इन दिनों शायद ही इस्तेमाल किया जाता है, जो कुछ अनजाना-सा है। और वह एक लैटिन शब्द है- ह्यकेसस बेलीह्न (युद्ध का कारण)। इस मामले में ह्यकेसस बेलीह्न पहलगाम है, और यह हैरानी और निराशा की बात है कि अंतरराष्ट्रीय और घरेलू मीडिया में भी इसे ओझल कर दिया गया है। अगर वे हत्याएं न होतीं तो आज हम ये बातें न कर रहे होते। इसलिए पहलगाम संघर्ष की सीढ़ी का पहला पायदान है। पाकिस्तानी सत्ता तंत्र और उसके भाड़े के लोगों ने यह कांड क्यों किया, इसका विश्लेषण हम अगले लेख में करेंगे।

जिस सीढ़ी पर पैर रखे जा चुके हैं, उसके ऊपरी पायदानों से हम परिचित हैं। दूतावासों के कर्मचारियों की संख्या में कटौती की जाएगी, दोनों देशों के नागरिकों के बीच संपर्क टूटेगा और वीजा बंद हो जाएंगे। एक-दूसरे के हवाई मार्ग से विमान ले जाने पर रोक लगा दी जाएगी। और जहां भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया है, वहीं पाकिस्तान जवाब में धमकी दे चुका है कि वह शिमला समझौते को ह्यरद्द करने का अधिकारह्न रखता है। संघर्ष को तेज करने वाले इन कदमों के साथ अक्सर यह सवाल उठाया जाता था कि क्या कोई गतिशील कार्रवाई की जाएगी? अगर की जाएगी तो कैसी?

गतिशील कार्रवाई का अर्थ यह माना जाता है कि अपना मकसद पूरा करने और अपना संदेश देने के लिए सैन्य ताकत का इस्तेमाल किया जाएगा; जो कूटनीतिक, सूचना केंद्रित, आर्थिक, कानूनी, प्रतिबंध केंद्रित आदि-आदि संघर्षों से अलग होगा। भारत ने 6 और 7 मई की रात उस सीढ़ी के इस पायदान पर कदम रख दिया था। इसकी अगली रात पाकिस्तान ने उत्तरी और पश्चिमी सीमा के पास भारतीय हवाई अड्डों को अचानक निशाना बनाने की कोशिश की। वह कोई बड़ा नुकसान पहुंचाने या विमानों पर हमला करने की कोशिश नहीं कर रहा था। वह जिस तरह का आक्रमण कर रहा था, जिन हथियारों का इस्तेमाल कर रहा था और जो निशाने चुन रहा था उन सबके कारण एक और शब्द उभर रहा था, जिससे आपका परिचय जरूरी है।

यह है- ह्यसीडह्न (एसईएडी) यानी दुश्मन की हवाई सुरक्षा को कमजोर करना। कभी-कभी इसे डेड (डीईएडी) कहा जाता है, जिसमें उसे नष्ट करने की बात की जाती है। अगर आप दुश्मन की हवाई सुरक्षा को थोड़ा भी कमजोर कर लेते हैं तो आपकी हवाई शक्ति को कार्रवाई करने की ज्यादा आजादी और सुरक्षा हासिल हो जाती है। भारत ने 6/7 मई की रात जो हमले किए, उससे पहले ह्यसीडह्न वाली कार्रवाई नहीं की गई थी। यदि की गई होती तो भारतीय वायुसेना के हमलावरों की कार्रवाई को ज्यादा सुरक्षा हासिल होती, लेकिन वह हवाई हमले के अलार्म जैसा होता जो पाकिस्तानियों को जगा देता। इससे हम समझ सकते हैं कि हमारे हमलावरों को कितनी मुश्किल व खतरे का सामना करना पड़ रहा था।

पवन के. वर्मा - लेखक

भारत-पाकिस्तान की कहानी में नैरेटिव अब हमारे हाथ में हो

ऑपरेशन सिंदूर का संदेश स्पष्ट है : भारत राज्य-प्रायोजित आतंकवाद का निष्क्रिय शिकार नहीं बनेगा और पाकिस्तान को इसके परिणामों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। लेकिन अब यह महत्वपूर्ण है कि अब हम नैरेटिव की कमान संभालें और प्रतिक्रिया करने के बजाय इसे सक्रिय रूप से नियंत्रित करें। अतीत में हम या तो कुछ नहीं करते थे, या केवल ठोस कदम उठाने की चेतावनी देते थे, या दुनिया से संयम और अच्छे आचरण का प्रमाण-पत्र लेने की तत्परता दिखाते थे। जब 1999 में कारगिल में हमारी सीमाओं में घुसपैठ की पुष्टि हुई, तो हम घुसपैठियों को बाहर निकालने में तो कामयाब रहे, लेकिन हमारे सैकड़ों युवा अधिकारियों और सैन्यकर्मियों की जान की भारी कीमत चुकाकर।

क्योंकि हमलावर ऊंची जगहों पर बैठे थे और आसानी से हमारे बहादुर फौजियों को निशाना बना सकते थे। उस समय कोई भी दूसरा देश होता तो नियंत्रण रेखा के पार सैनिकों को पैराशूट से उतार देता और हमलावरों के लिए आपूर्ति-लाइनें बंद कर देता। 2001 में लश्कर-ए-तैयबा ने भारतीय संसद पर भी हमला किया था। जवाब में हमने सीमा पर सैनिकों की भारी तैनाती के अलावा कुछ नहीं किया। 2008 में मुंबई में हमला हुआ, जिसमें 166 निर्दोष भारतीय मारे गए। कोई संदेह नहीं था कि इस हमले की साजिश पाकिस्तानी सेना और आईएसआई ने रची थी, अजमल कसाब को भी पकड़ लिया गया था, उसके बयान थे।

लेकिन हमने कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की। 2016 में जब जैश-ए-मोहम्मद ने उरी पर हमला किया, जिसमें 19 सैनिक मारे गए, तो हमने आखिरकार सर्जिकल स्ट्राइक की। 2019 में पुलवामा हमले के बाद हमने बालाकोट में बमबारी करके जवाब दिया, जिससे पता चला कि भारत में यह कहने की इच्छाशक्ति है कि बस, बहुत हो गया। लेकिन वे सब प्रतिक्रियाएं थीं। अब हमें नैरेटिव का मास्टर बनना है। हर सीजफायर उल्लंघन (2020 में पाकिस्तान द्वारा लगभग 5000 बार ऐसा किया गया) का दोगुना प्रतिकार किया जाना चाहिए। पीओके में घुसपैठ से भी कोताही नहीं बरती जानी चाहिए।

इसके अलावा, हमें युद्ध को पाकिस्तान के क्षेत्र में ले जाना होगा। ऐसा करने के लिए हमारे पास दो शक्तिशाली हथियार हैं। इनमें से पहला, 1960 के सिंधु जल समझौते को स्थगित करना सही कदम है, ताकि हम सिंधु, झेलम और चिनाब के पाकिस्तान में प्रवाह को नियंत्रित कर सकें। यह सीमापार दहशत पैदा कर सकता है, क्योंकि पाकिस्तान की जीडीपी का 25% कृषि पर निर्भर करता है। नदी के प्रवाह के बारे में रियल टाइम डेटा साझा न करना भर भी नुकसान पहुंचा सकता है। दूसरे, अब समय आ गया है कि हम बलूचिस्तान के मुक्ति-संग्राम को बढ़ावा देकर भारत में पाकिस्तान के आतंकवाद का माकूल जवाब दें। पाकिस्तान में सेना-आईएसआई गठजोड़ कमजोर पड़ गया है। हमारे सभी उपायों का मिला-जुला असर पाकिस्तान के लोगों को इस गठजोड़ के खिलाफ खड़ा करने पर केंद्रित होना चाहिए। पाकिस्तान के ह्यडीप स्टेटह्न को कमजोर या समाप्त नहीं किया जाता, तब तक कोई स्थायी शांति नहीं हो सकती।अंत में, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अटल संकल्प, वैश्विक सहयोग और शांति, एकता व न्याय के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता की जरूरत है। आतंकवाद, जो बेगुनाहों की जान लेता है और समाज को अस्थिर करता है, उसे केवल एकजुट रणनीति से ही हराया जा सकता है, जो इंसानियत को सबसे ऊपर रखे। अमेरिकी मानवाधिकार नेता मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने कहा था, ह्लकहीं भी अन्याय, हर जगह न्याय के लिए खतरा है।ह्व यह गहरी बात हमें याद दिलाती है कि राष्ट्रों, समुदायों और व्यक्तियों को हिंसा और नफरत के नेटवर्क को तोड़ने के लिए एकजुट होना होगा। बहुपक्षीय ढांचों को मजबूत करके, खुफिया जानकारी साझा करके और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देकर, दुनिया उन कारणों को दूर कर सकती है, जैसे गरीबी और हाशिए पर होना, जो आतंकवाद को पनपने देते हैं। युवाओं को शिक्षा और रचनात्मक अवसर देकर उग्रवाद को रोका जा सकता है और शांति की वकालत करने वाली पीढ़ी तैयार की जा सकती है। एक ऐसी दुनिया का सपना–जहां खून की लालिमा की जगह शांति, समृद्धि और आशा के रंग हों–वन अर्थ, वन यूनिटी के सिद्धांतों को अपनाने की जरूरत है। इस साझा जिम्मेदारी को अपनाकर, वैश्विक समुदाय एक ऐसा भविष्य बना सकता है, जहां हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी धर्म या मूल का हो, सुरक्षित और सामंजस्यपूर्ण दुनिया में फल-फूल सके।

बिजनेस

भारत-पाक तनाव में महंगाई से बचने पैसा सेफ रखना जरूरी:इमरजेंसी फंड से लेकर इंश्योरेंस तक

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान में तनाव के बीच जंग के हालात बनने की सम्भावना हो सकती है। ऐसे में महंगाई बढ़ने पर आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी भी खतरे में आ सकती है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, महंगाई बढ़ना, नौकरी या बिजनेस इनकम पर असर जैसी चुनौतियों के बीच इन 6 बातों अपनाकर आप अपने फाइनेंस को मजबूत बना सकते हैं।

इमरजेंसी फंड को प्राथमिकता दें

तनाव के दौर में 6 से 12 महीने के जरूरी खर्चों को कवर करने वाला इमरजेंसी फंड जरूर बनाएं। इसमें घर के महीने भर के जरूरी खर्च (किराया, बिजली, गैस, राशन, स्कूल फीस) को कैलकुलेट करें और कम से कम 6 महीने की बचत जमा करें। कैसे करें? महीने की सेविंग्स का एक हिस्सा सीधे सेविंग अकाउंट या ऋडमें जमा करें। महंगाई के दौर में यह फंड आपकी जेब पर दबाव कम करेगा।

इंश्योरेंस पॉलिसी में युद्ध या दंगा कवर चेक करें अपनी हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी में चेक करें कि क्या वे 'युद्ध, आतंकवाद या दंगा' जैसी स्थितियों को कवर करती हैं या नहीं। ज्यादातर पॉलिसीज में यह शामिल नहीं होता है, लेकिन कुछ खास प्लान्स में यह ऐड-ऑन हो सकता है। इसके साथ ही परिवार को अपने सभी इन्वेस्टमेंट्स और इंश्योरेंस के बारे में जानकारी जरूर दें। ताकि किसी भी इमरजेंसी में वे इसका उपयोग कर सकें।

जरूरी सामान का स्टॉक बनाएं तनाव बढ़ने पर पैनिक ना करें। महंगाई से बचने के लिए आप स्मार्ट खरीदारी का विकल्प चुन सकते हैं। दाल, चावल, आटा, तेल, डिटर्जेंट, और दवाइयों का स्टॉक धीरे-धीरे बढ़ाएं। बड़े पैकेट (5" चावल) खरीदें– इससे 10-15% तक की सेविंग हो सकती है।

गोल्ड और डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाएं तनाव के हालात में अपने निवेश को डायवर्सिफाइड रखें। इसके लिए गोल्ड निवेश का बेहतर विकल्प हो सकता है। डिजिटल गोल्ड या सोने के एळञमें निवेश करें। इसके साथ ही बाजार के उतार-चढ़ाव में घबराकर निवेश बंद न करें। रख्ढ जारी रखें, यह वॉलैटिलिटी को कम करता है। हिस्टोरिकल डेटा बताता है कि बाजार कुछ समय में फिर रिकवर करते हैं।गोल्डन रूल है कि सैलरी मिलते ही बचत या निवेश की रकम सबसे पहले अलग निकालें। फिर बची हुई रकम खर्च करें। पहले खर्च करना और बचे हुए पैसे निवेश करने की रणनीति अच्छी नहीं है। सैलरी के 20% हिस्से का निवेश सुनिश्चित करें।

सबसे जरूरी, किसी भी स्थिति में पैनिक ना करें सोशल मीडिया के 'फेक न्यूज' से बचें, सरकारी वेबसाइट्स (ढक्द, फ्इक) और विश्वसनीय सोर्स से अपडेट लें। शेयर बाजार में अफवाहों पर पैसा न लगाएं एक्सपर्ट्स की सलाह मान कर फैसले लें।सीमा पर तनाव होने पर तैयारी ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है। छोटे-छोटे कदम आपको न केवल महंगाई से बचाएंगे, बल्कि भविष्य के लिए वित्तीय सुरक्षा भी देंगे।

राज-काज

भारत-पाक तनाव के बीच वॉकी-टॉकी की अवैध बिक्री के लिए नोटिस भेजा

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान जंग के हालात के बीच सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी (उउढअ) ने अमेजन-फ्लिपकार्ट जैसी 13 ई-कॉमर्स कंपनियों को अपने प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी डिवाइस की अवैध बिक्री के लिए नोटिस जारी किए हैं। उशुक्रवार (9 मई) को ऑफिशियल स्टेटमेंट में इस बात की जानकारी दी। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी की अवैध लिस्टिंग और बिक्री के खिलाफ प्रमुख डिजिटल मार्केटप्लेस को 13 नोटिस जारी किए हैं। ये प्लेटफॉर्म अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो, डछ, ट्रेड इंजिया, फेसबुक, इंडियामार्ट, वरदानमार्ट, जियोमार्ट, कृष्णामार्ट, चिमिया, टॉक प्रो वॉकी टॉकी और मास्क मैन टॉय है।यह कार्रवाई प्रॉपर फ्रीक्वेंसी डिस्क्लोजर, लाइसेंसिंग इंफॉर्मेशन और इक्विपमेंट टाइप अप्रूवल (एळअ) के बिना वॉकी-टॉकी की सेल पर फोकस है, जो कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019 का उल्लंघन है।

रिलायंस का मार्केट-कैप 59,799 करोड़ कम हुआ:इस हफ्ते टॉप-10 कंपनियों में से 8 की वैल्यू 1.60 लाख करोड़ गिरी

मुंबई। भारत-पाक तनाव के बीच देश की सबसे बड़ी प्राइवेट सेक्टर कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की मार्केट वैल्यू इस हफ्ते (5-9 मई) के कारोबार के बाद 59,799 करोड़ रुपए कम हो गई है। अब यह 18.64 लाख करोड़ है। पिछले हफ्ते यह 19.24 करोड़ रुपए थी।

बैंकिंग शेयरों में ज्यादा बिकवाली रही। ऌऊऋ बैंक की वैल्यू 30,185 करोड़ घटकर 9.90 लाख करोड़, ळउकउक बैंक की वैल्यू 27,063 करोड़ कम होकर 14.46 लाख करोड़ और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (रइक) की वैल्यू 18,429 करोड़ कम होकर 6.96 लाख करोड़ पर आ गई है। 5 मई से 9 मई तक चले कारोबार में सॉफ्टवेयर कंपनी इंफोसिस की मार्केट वैल्यू 415करोड़ बढ़कर 6.26 लाख करोड़ हो गई। वहीं, ऋटउॠ कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर (ऌवछ) की वैल्यू इस दौरान 2,538 करोड़ बढ़कर 5.48 लाख करोड़ पहुंच गई है।हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार, 9 मई को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 880 अंक (1.10%) गिरकर 79,454 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 266 अंक (1.10%) की गिरावट रही, ये 24,008 के स्तर पर बंद हुआ।सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में गिरावट रही। ऌऊऋबैंक 3.24% नीचे आ गया। पावर ग्रिड,अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, रिलायंस सहित कुल 16 स्टॉक्स करीब 3% गिरकर बंद हुए। हालांकि, टाइटन, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा मोटर्स और रइकमें 4.25% तक चढ़कर बंद हुए।निफ्टी के 50 शेयरों में से 38 में गिरावट रही। रियल्टी सेक्टर में 2.38%, फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.76%, प्राइवेट बैंक में 1.29% और ऑयल एंड गैस में 0.78% की गिरावट रही। जबकि, सरकारी बैंकिंग इंडेक्स 1.59% मीडिया 0.95% और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.92% ऊपर बंद हुए।मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, उनकी वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को उनकी कीमत से गुणा करके किया जाता है।मान लीजिए... कंपनी 'अ' के 1 करोड़ शेयर मार्केट में लोगों ने खरीद रखे हैं। अगर एक शेयर की कीमत 20 रुपए है, तो कंपनी की मार्केट वैल्यू 1 करोड़ ७ 20 यानी 20 करोड़ रुपए होगी।शेयर की कीमत- बाजार में शेयरों का मांग बढ़ने से कॉम्पिटिशन होता है, इसके चलते कीमतें बढ़ती है।मजबूत वित्तीय प्रदर्शनः कंपनी की कमाई, रेवेन्यू, मुनाफा जैसी चीजों में बढ़ोतरी निवेशकों को अट्रैक्ट करती है।

सोना 2,462 महंगा होकर 96,416 पर पहुंचा, चांदी 1,601 बढ़कर 97,684 किलो बिक रही

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (क्इखअ) की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 3 मई को सोना 93,954 रुपए पर था, जो अब (10 मई) को 96,416 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 2,462 रुपए बढ़ी है। व वहीं, चांदी की बात करें तो ये पिछले शनिवार को 94,125 रुपए पर थी, जो अब 95,726 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इस तरह इस हफ्ते इसकी कीमत 1,601 रुपए बढ़ी है। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,830 रुपए है। मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,680 रुपए है। कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 90,450 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 98,680 रुपए है। चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,680 रुपए है। भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,730 रुपए है। इस साल अब तक 20,254 रुपए महंगा हो चुका है सोना इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 20,254 रुपए बढ़कर 96,416 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 9,709 रुपए बढ़कर 95,726 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था। अमेरिकी-चीन के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर और मंदी की आशंकाओं के कारण इस साल सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल रेट के हिसाब से कैलकुलेट करें तो भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.10 लाख रुपए तक जा सकते हैं। विदेशी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने ये अनुमान जारी किया है। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (इक्र) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें।

बारामूला जिले के उरी के गिंगल इलाके में पाकिस्तानी सैनिकों की गोलाबारी के बाद लोग अपने सामान के साथ सुरक्षित स्थानों की ओर जाते हुए।

"तापी बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना" केन-बेतवा और पीकेसी के बाद दशकों से रूकी तीसरी महत्वपूर्ण परियोजना का मार्ग हुआ प्रशस्त

पूरे विश्व में भूजल भंडारण का नया अध्याय लिखेगी : सीएम

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 'तापी बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना' विश्व की सबसे बड़ी ग्राउंडवॉटर रीचार्ज परियोजना है। यह एक अनूठी परियोजना है जो पूरे विश्व में भूजल पुनर्भरण का नया अध्याय लिखेगी। इससे प्रदेश के बड़े क्षेत्र विशेष रूप से निमाड़ का भूजल स्तर बढ़ेगा और यह वहां के लिए जीवन दायिनी सिद्ध होगी। इससे मध्य प्रदेश के लगभग 01 लाख 23 हजार तथा महाराष्ट्र के 2 लाख 37 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा विकसित होगी। यह सौभाग्य का विषय है कि आज महाराष्ट्र सरकार के साथ इस परियोजना के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं। दशकों से रूकी पड़ी मेगा रिचार्ज योजना की दिशा में हम आगे बढ़े हैं। पहले भी केन-बेतवा तथा पार्वती काली सिंध चंबल परियोजनाओं की दशकों से अटकी परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं। एमओयू के उपरांत दोनों राज्य सरकारें भारत सरकार को ताप्ती मेगा रिचार्ज योजना को अंतर्राज्यीय राष्ट्रीय सिंचाई परियोजना की स्वीकृति के लिए अनुरोध करेंगी।

योजना

कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने 'तापी बेसिन मेगा रीचार्ज' परियोजना के एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर किए। इसके पहले मंत्रालय वल्लभ भवन में 'मध्यप्रदेश महाराष्ट्र अंतरराज्यीय नियंत्रण मंडल' की 28वीं बैठक में 'ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज' परियोजना सहित दोनों राज्यों की अन्य

सिंचाई परियोजनाओं के संबंध में चर्चा हुई और निर्णय लिए गए। कार्यक्रम में प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महाराष्ट्र के जल संसाधन मंत्री श्री गिरीश महाजन, जनजातीय कल्याण मंत्री श्री कुंवर विजय शाह, सांसद श्री वी.डी. शर्मा, पूर्व मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय एवं जल संसाधन विभाग डॉ. राजेश राजौरा तथा महाराष्ट्र सरकार एवं प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा मध्य प्रदेश नदियों का मायका है तथा यहां 247 से अधिक नदियां प्रवाहित होती हैं। हमारी जल राशियों में अथाह गहराई है। गत लगभग 25 वर्षों से मध्य प्रदेश की कई अंतरराज्यीय परियोजनाएं राज्यों के बीच आपसी सहमति न बन पाने के कारण आगे नहीं बढ़ पा रही थीं। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इन सभी परियोजनाओं को अब गति मिली है। राजस्थान सरकार के साथ पार्वती कालीसिंध चंबल परियोजना तथा उत्तर प्रदेश सरकार के साथ केन बेतवा लिंक परियोजना के बाद महाराष्ट्र सरकार के साथ 'तापी बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना' न केवल संबंधित राज्यों अपितु पूरे देश के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पार्वती कालीसिंध चंबल और केन बेतवा लिंक परियोजना की तरह ही इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने के लिए अब हम प्रधानमंत्री श्री मोदी के पास जाएंगे और मुझे पूरा विश्वास है कि वे हमारी बात को स्वीकार करेंगे। इससे इन दोनों परियोजनाओं की ही तरह इस परियोजना के लिए भी 90% राशि केंद्र सरकार द्वारा दी जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री फडणवीस के आगमन पर आभार व्यक्त किया।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कई दशकों से भारत में कई अंतरराज्यीय नदी परियोजनाएं राज्यों के बीच आपसी सहमति न होने के कारण अटकी हुई थीं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार आने के बाद अब ये योजनाएं मूर्त रूप ले रही है। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सक्रियता के कारण आज 25 साल बाद मध्य प्रदेश महाराष्ट्र अंतरराज्यीय नियंत्रण मंडल की बैठक हुई है और उसमें तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना एवं अन्य सिंचाई योजनाओं पर सहमति बनी है। यह दोनों राज्यों के लिए अत्यंत लाभकारी है। इस दिशा में सकारात्मक पहल के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव बधाई के पात्र हैं। मध्य प्रदेश सरकार महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर कई क्षेत्रों में कार्य करेगी।

तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना

तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र राज्यों की संयुक्त परियोजना है। इस योजना से मध्यप्रदेश के 1,23,082 हेक्टेयर क्षेत्र में एवं महाराष्ट्र के 2,34,706 सेक्टर में सिंचाई प्रस्तावित है. योजना में भूजल भंडारण का विस्तार किया जाएगा, जिससे प्रदेश के बुरहानपुर एवं खंडवा जिलों की बुरहानपुर, नेपानगर, खकनार एवं खालवा तहसीलें लाभान्वित होंगी।

परियोजना में मुख्य रूप से चार जल संरचनाएं प्रस्तावित

- खरिया गुटीघाट बांध स्थल पर लो डायवर्सन वियर :- यह वियर दोनों राज्यों की सीमा पर मध्य प्रदेश की खंडवा जिले की खालवा तहसील एवं महाराष्ट्र की अमरावती तहसील में प्रस्तावित है. इसकी जल भराव क्षमता 8.31 टीएमसी प्रस्तावित है।
- दाई तट नहर प्रथम चरण :- प्रस्तावित खरिया गुटीघाट वियर के दाएं तट से 221 किलोमीटर लंबी नहर प्रस्तावित है, जो मध्य प्रदेश में 110 किलोमीटर बनेगी. इस नहर से मध्य प्रदेश के 55 हज़ार 89 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी।
- बाई तट नहर प्रथम चरण :- प्रस्तावित खरिया गुटीघाट वियर के बाएं तट से 135.64 किलोमीटर लंबी
- नहर प्रस्तावित है जो मध्यप्रदेश में 100.42 किलोमीटर बनेगी। इस नहर से मध्यप्रदेश के 44 हज़ार 993 हेक्टर क्षेत्र में सिंचाई प्रस्तावित है।
- बाईं तट नहर द्वितीय चरण :- यह नहर बाईं तट नहर प्रथम चरण के आर डी 90.89 कि मी से 14 किलोमीटर लम्बी टनल के माध्यम से प्रवाहित होगी. इसकी लंबाई 123.97 किलोमीटर होगी, जिससे केवल महाराष्ट्र के 80 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी।

श्री फडणवीस ने कहा कि तापी बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना विश्व की सबसे बड़ी वॉटर रिचार्ज स्कीम है जो की दुनिया का एक अजूबा है। मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र राज्य की सीमा पर तापी नदी की घाटी में 'बजाडा जोन' तैयार हुआ है जो ताप्ती नदी के समानान्तर जाता है, जिसमें वॉटर रीचार्ज की अद्भुत क्षमता है। इस परियोजना से दोनों राज्यों के बड़े क्षेत्र में वॉटर रीचार्ज होगा, जिसका लाभ लाखों किसानों को मिलेगा। कार्यों को गति देने के लिए पुनः अंतरराज्यीय नियंत्रण मंडल की बैठक आगामी अक्टूबर माह में महाराष्ट्र में आयोजित की जाएगी। मंत्रालय वल्लभ भवन में संपन्न'मध्य प्रदेश महाराष्ट्र अंतरराज्यीय नियंत्रण मंडल' की बैठक में 'ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज' परियोजना के एम ओ यू पर हस्ताक्षर की सहमति बनी। इसी के साथ बैठक में बाणगंगा नदी पर डांगुरली बैराज का निर्माण, बाघ नदी पर वियर का निर्माण और लावाघोघरी - तोतलाडोह जल विनिमय योजना पर भी चर्चा की गई, जिन पर दोनों राज्यों के बीच सैद्धांतिक सहमति बनी।

शॉर्ट न्यूज

महिला की प्राइवेसी पर हमला

ग्वालियर। ग्वालियर के सांई कॉलोनी कंपू निवासी 23 वर्षीय महिला ने अपने पति और ननद पर गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। उसका कहना है कि पिता और ननद ने मिलकर उसकी प्राइवेट फोटो, वीडियो और शादी से पहले पति से सामान्य बातचीत के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए रिश्तेदारों को भेजकर उसे बदनाम करने की साजिश की है। मामले में पुलिस ने महिला के पति व ननद के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पीड़िता का कहना है कि उसकी शादी 18 फरवरी 2024 को इंदौर निवासी अमित सिंह उर्फ अर्जुन से हुई थी। शादी में पिता ने अपनी हैसियत से ज्यादा खर्च किया। फिर भी शादी के बाद से ही पति और ससुराल पक्ष के लोग उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। मुझसे मोबाइल रखने की मना करने लगे। पीड़िता के अनुसार, 8 अप्रैल को पति ने मारपीट की और मेरा मोबाइल अपने पास रख लिया।

कार पर दूल्हा-दुल्हन का स्टंट, लगा जुर्माना

ग्वालियर। ग्वालियर में दूल्हा-दुल्हन का शादी के बाद कार की बोनट व छत पर बैठकर स्टंट का वीडियो पांच दिन पहले सामने आया था। जिसमें दूल्हा-दुल्हन, 'इश्क की गली बीच नो एंट्री' सॉन्ग पर सड़क पर कार के ऊपर स्टंट करते हुए नजर आ रहे थे। दूल्हा और दुल्हन का स्टंट वाला वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के पांच दिन बाद पर अब यातायात पुलिस भी हरकत में आई है। कार के नंबर MP07 ZH-0835 के मालिक पर ट्रैफिक नियमों का उल्ल्घंन करने पर चालान कर जुर्माना लगाया है। ग्वालियर में पांच दिन पहले एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया था। जिसमें एक अर्टिका कार नंबर MP07 ZH-0835 के बोनट पर एक दुल्हन बैठी हुई थी, जबकि दूल्हा कार की छत पर खड़ा हुआ था। दोनों सड़क पर कार के ऊपर स्टंट कर रहे थे। दुल्हन 'इश्क की गली विच नो एंट्री' सॉन्ग पर डांस कर रही थी तो कार की छत पर खड़ा दूल्हा तलवार लहराकर प्रदर्शन कर रहा था।

बेटे के मर्डर का वीडियो देख कांप गए परिजन

रीवा। रीवा के रहने वाले युवक का फिल्मी स्टाइल में मर्डर कर दिया गया। युवक के पार्टनर ने ऑन कैमरा चाकू से उसकी गर्दन काट दी। घटना का वीडियो परिवार को भेजकर फरार हो गया। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे शाहरुख खान की फिल्म 'रईस' से काफी प्रभावित थे। उसी किरदार की नकल कर वे पहले पशु तस्करी में उतरे और फिर हत्या जैसे खतरनाक अपराध तक पहुंच गए। आरोपियों पर फिल्मी खुमार इस कदर हावी था कि 'रईस' के एक सीन को देखकर उन्होंने मर्डर करने की हिम्मत जुटाई। वे मर्डर को फिल्मी सीन की तरह शूट करना चाहते थे, और किया भी वैसा ही।

भोपाल में मदर्स डे पर ममता फोटोग्राफी एग्जिबिशन

मां के पहली बार बच्चों को देखने की तस्वीरें आकर्षण केंद्र

संवाददाता ● भोपाल

यह तस्वीर उस पल की है, जब ऑपरेशन थिएटर में मां ने पहली बार अपने बच्चे की किलकारी सुनी, उसे देखा और छुआ। इन पलों को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, सिर्फ महसूस कर सकते हैं। इन्हीं पलों को अमर बनाने की कोशिश भोपाल की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. प्रिया भावे चित्तावर ने की है। उन्होंने नवजात के जन्म के खास लम्हों को कैमरे में कैद किया और नाम दिया 'फर्स्ट क्राय बेबी शूट'। उन्होंने पिछले दो साल में 1500 से अधिक डिलीवरी के भावुक पलों को कैमरे में संजोया और 20 हजार से ज्यादा तस्वीरें खींची हैं।

तस्वीर

ये तस्वीरें मां-बाप के लिए अनमोल धरोहर बन गईं। मदर्स डे के उपलक्ष्य में भोपाल के रवीन्द्र भवन में शनिवार को लगी दो दिवसीय ममता मदर हुड फोटोग्राफी एग्जीबिशन में माताओं के जीवन के इन खास पलों को तस्वीरों के जरिए दिखाया गया है। जिसमें बच्चे का जन्म होते ही पहली बार मां के उसे देखने की तस्वीरें सबसे ज्यादा आकर्षित कर रही हैं। प्रिया भावे ने बताया कि डिलीवरी के बाद बर्थ डॉक्यूमेंटेशन के लिए बच्चों की तस्वीरें लेते थे। एक बार ऐसे ही तस्वीर लेते हुए नर्स से फोटो की जगह वीडियो ऑन हो

गई। वीडियो में पहली बार महिला के मुड़कर बच्चे को देखने का क्षण रिकॉर्ड हो गया। इसके बाद जब हमने महिला को वीडियो दिखाई तो वो काफी खुश हो गई। उसने हमसे वीडियो मांगकर कई बार देखी। इसके बाद हमने सोचा कि प्रोफेशनल फोटोग्राफर से शूट करवाया जाए। प्रिया भावे ने बताया कि शुरू में नजर लगने जैसी बातों के चलते महिलाएं फोटोशूट कम कराती थीं, लेकिन अब सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हर महीने डिलीवरी कराने वाले माता-पिता में से 30-40 प्रतिशत फोटोशूट कराते हैं। प्रोफेशनल फोटोग्राफर वीडियो फोटोग्राफी कराने पर इसकी कीमत 10 से 40 हजार है। बाकी हम खुद से इसकी वीडियो बनाकर दे देते हैं। उन्होंने बताया कि ललितपुर में एक महिला का पूरा परिवार रोजाना बच्चे के वीडियो देखता है। ऐसे लम्हे हर कोई संजोकर रखना चाहता है।

10 लाख में सुपारी देकर कराई पति की हत्या

भोपाल। भोपाल में एक महिला ने 10 लाख में पति की सुपारी देकर उसकी हत्या करा दी। महिला ने अपनी किराएदार और उसके प्रेमी के साथ मिलकर यह साजिश रची। किराएदार ने बुजुर्ग के पैर पकड़े और उसके प्रेमी ने गमछे से गला घोंट दिया। वारदात 18 अप्रैल को पिपलानी की है। जार्ज कुरियन (64) भेल से रिटायर्ड अफसर थे। पुलिस को गुमराह करने के लिए पत्नी ने बाथरूम में पांव फिसलकर गिरने की बात कही थी। शनिवार को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने आरोपी पत्नी बिट्टी जार्ज (32), किराएदार रेखा सूर्यवंशी और उसके प्रेमी संजय पाठक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी संजय पाठक को रविवार तक की रिमांड पर लिया है। तीनों ने अपने जुर्म को स्वीकार कर लिया है। टीआई अनुराग लाल ने बताया कि, जार्ज भेल के रिटायर्ड अधिकारी थे। उनकी पहली पत्नी केरल में रहती हैं। उन्होंने बिट्टी से तब शादी की जब वह महज 17 साल की थी। दोनों की नौ साल की बेटी है। बिट्टी पूर्व में जार्ज के घर काम करती थी। बिट्टी ने पुलिस को बताया कि जार्ज की हत्या के बाद वह अकेले जीना चाहती थी। उसे उम्मीद थी कि पति की मौत के बाद उनका सारा पैसा, पैंशन और मकान उसे मिल जाएगा। बुजुर्ग पति छोटी-छोटी बातों पर उसे रोकता-टोकता और डांटता था। यही कारण था कि वह उससे निजात पाना चाहती थी। किराएदार रेखा सूर्यवंशी से पति की नजदीकियां भी उसे परेशान करती थीं। रेखा ने ही पति के चरित्र के संबंध में उसे अहम जानकारी दीं और पति की हत्या कर आराम से जीवन जीने की बात कही।

पत्नी ने किराएदार के साथ मिलकर रची साजिश

83 लाख का ई-केवायसी बाकी

मप्र में फ्री खाद्यान्न योजना से हटाए 15 लाख नाम

संवाददाता ● भोपाल

खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत प्रतिमाह दिए जाने वाले निश्शुल्क खाद्यान्न का लाभ केवल पात्र व्यक्तियों को ही मिले, इसके लिए ई-केवायसी करवाया जा रहा है। मध्य प्रदेश में अभी तक 15 लाख ऐसे हितग्राही चिह्नित किए गए हैं, जिनका या तो निधन हो गया है या फिर वे चार माह से खाद्यान्न लेने नहीं आए। इन सभी के नाम पात्रता सूची से हटाए गए हैं। अभी भी 83 लाख हितग्राहियों का ई-केवायसी होना बाकी है। इनमें भी तीन से चार लाख ऐसे हितग्राही हो सकते हैं, जिनका नाम दो जगह दर्ज है, उनका निधन हो चुका है या फिर खाद्यान्न लेने ही नहीं आ रहे हैं। ऐसे हितग्राहियों का नाम सूची से काटकर नए नाम जोड़े जाएंगे।

खाद्य सुरक्षा कानून के प्रविधान के अंतर्गत मध्य प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के 5.46 करोड़ हितग्राही हो सकते हैं। यह संख्या साढ़े पांच करोड़ को पार कर गई थी। जांच कर कुछ नाम छांटे गए फिर भी अपात्रों को राशन मिलने की शिकायतें आ रही थीं। इसे देखते हुए सरकार ने ई-केवायसी की प्रक्रिया प्रारंभ की। इसमें एक-एक हितग्राही की पहचान सुनिश्चित करने के लिए आधार आधारित बायोमैट्रिक सत्यापन कराया जा रहा है।

साढ़ें चार लाख हितग्राही राशन लेने ही नहीं आ रहे

इसमें साढ़े चार लाख हितग्राही तो ऐसे पाए गए जो चार माह से राशन लेने के लिए नहीं आ रहे हैं। जबकि, योजना में निश्शुल्क खाद्यान्न देने का प्रविधान है। इसी तरह जांच में यह भी सामने आया कि लगभग 10 लाख हितग्राही ऐसे हैं, जिनका या तो निधन हो चुका है या फिर कहीं चले गए हैं। ऐसे सभी लोगों के नाम काटे जाने चाहिए थे लेकिन सूची में दर्ज थे। इनके नाम पर खाद्यान्न भी आवंटित हो रहा है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जनवरी से अप्रैल, 2025 के बीच 15 लाख नाम सार्वजनिक वितरण प्रणाली के हितग्राहियों की सूची से हटाए जा चुके हैं। यह प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है इसलिए संख्या बढ़ भी सकती है।

समग्र के डाटा से हटते हैं नाम- विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जब भी किसी हितग्राही परिवार के किसी सदस्य का निधन होता है या फिर विवाह कर लड़की ससुराल चली जाती है तो उसका नाम हटाना होता है। इसकी जानकारी स्थानीय निकायों द्वारा संग्रहित कर समग्र पोर्टल पर दर्ज कराई जाती है। वहां से खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग को प्रतिमाह डाटा मिलता है, जिसके आधार पर नाम हटाए जाते हैं।

17 मई को भोपाल में फिर गूंजेगी हंसी की गूंज

स्टैंडअप कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी का धमाल, रवींद्र भवन में होगा शो

वाददाता ● भोपाल

राजधानी भोपाल एक बार फिर हास्य और मनोरंजन की महफिल का गवाह बनने जा रही है। 17 मई की शाम रवींद्र भवन में देश के लोकप्रिय स्टैंडअप कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी अपने चिरपरिचित अंदाज़ में दर्शकों को गुदगुदाने आ रहे हैं। यह विशेष शो Team Curators और Oriole Entertainment के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया जा रहा है। अनुभव सिंह बस्सी, जो न सिर्फ एक स्टैंडअप कॉमेडियन हैं, बल्कि अभिनेता और यूट्यूबर के रूप में भी पहचान रखते हैं, 2017 में एक ओपन माइक से अपने करियर की शुरुआत करने के बाद आज लाखों लोगों के दिलों पर राज कर रहे हैं। उनका ठेठ देसी अंदाज़ और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े चुटीले किस्से युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। खास बात यह है कि बस्सी करीब एक साल बाद फिर भोपाल में परफॉर्म करने जा रहे हैं, और उनके प्रशंसकों में इस शो को लेकर खासा उत्साह है। पिछली बार की तरह इस बार भी आयोजन स्थल रवींद्र भवन दर्शकों से खचाखच भरा रहने की उम्मीद है। कार्यक्रम शाम 7 बजे से शुरू होगा और टिकटें Book My Show पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं। आयोजकों के पास भी सीमित संख्या में पास उपलब्ध हैं। लखनऊ में आज होने वाला कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी का शो कैंसिल हो गया है। महिला आयोग की उपाध्यक्ष अर्पणा यादव की आपत्ति के बाद शो को कैंसिल किया गया है। अर्पणा ने कहा था- बस्सी अश्लील कंटेंट बनाते हैं। मेरी मांग है, शो में अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने वाले स्टैंड-अप कॉमेडी शो को इजाजत नहीं मिले।

महफिल

अब छोटी आंत की जांच संभव, दो माह में भोपाल में होगी कैप्सूल से स्कैनिंग

गले से मल मार्ग तक वीडियोग्राफी करेगा रिमोट कंट्रोल कैप्सूल

वाददाता ● भोपाल

दो माह बाद एक नई तकनीक की शुरुआत होने जा रही है, जो पेट और आंतों की बीमारियों का पता लगाने के लिए सर्जरी या लंबे एंडोस्कोपी ट्यूब की जरूरत को खत्म कर देगी। पिल बोट एंडोस्कोपी नाम की यह तकनीक एक खास कैमरा युक्त और रिमोट से कंट्रोल होने वाला कैप्सूल है। जिसे मरीज को निगलना होता है। इसके बाद यह गले से लेकर मल मार्ग तक वीडियोग्राफी करता है। इस कैप्सूल की अकेली कीमत लगभग 50 हजार रुपए होगी। वहीं, पूरी जांच प्रक्रिया में करीब एक लाख रुपए तक खर्च आएगा। हालांकि, जितनी अधिक जानकारी इस तकनीक से मिलेगी वो कई अलग अलग जांच के बारबर होगी। यह जानकारी गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी की दो दिवसीय 'वैसोकॉन 2025' कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ने दी। इस कॉन्फ्रेंस में ब्लीडिंग और खून के थक्के जैसी गंभीर समस्याओं के इलाज पर देशभर के विशेषज्ञ डॉक्टर कोर्टयार्ड बाय मैरियट में चर्चा कर रहे हैं।

पिल बोट एंडोस्कोपी एक विशेष प्रकार की कैप्सूल तकनीक है। जो आकार में आम दवाई जैसी होती है, लेकिन इसमें एक माइक्रो कैमरा, बैटरी और वायरलेस सिस्टम होता है। यह मरीज के शरीर में जाकर 12 घंटे तक सक्रिय रहता है और पूरे पाचन तंत्र की अंदरूनी तस्वीरें बाहर स्क्रीन पर भेजता है।

इन रोगों में आएगी काम

- इस कैप्सूल से छोटी आंत (22 फीट लंबी) की जांच हो सकेगी। अब तक कोलोनोस्कोपी और एंडोस्कोपी से इसकी पूरी जांच संभव नहीं होती थी।
- पेट के अल्सर, गेस्ट्रिक कैंसर, आंतों में ब्लीडिंग, पोलीप्स, थ्रोम्बोसिस या खून के थक्के, बायोप्सी की आवश्यकता वाले लक्षण आदि की जांच में कारगर।
- ग्रासनली (एसोफैगस) और बड़ी आंत (कोलन) में भी जांच संभव, इसके विशेष संस्करण उपलब्ध।
- सोफैगस वेरिसीज, अल्सर, या गैस्ट्रोइसोफेगल रिफ्लेक्स डिजीज की जांच में विशेष वर्जन का उपयोग किया जाता है।

फिल्म की तरह लग रहा है

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच जान्हवी कपूर ने जताई चिंता, भारतीय सेना को भी किया सलाम

भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति दिन-बा-दिन खराब होती जा रही है। दोनों ही देशों से हमले किए जा रहे हैं। हालांकि, अगर ऐसा ही चलता रहा तो जल्द ही दोनों देशों में जंग छिड़ जाएगी। ये सब शुरू हुआ 22 अप्रैल को, जब आतंकियों ने कश्मीर के पहलगाम में मासूमों पर हमला किया और उन्हें मौत के घाट उतार दिया। इस घटना के कुछ दिन बाद भारत ने पाकिस्तान में स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला किया। जिसके बाद से पाकिस्तान भी भारत पर हमले की कोशिश में लगा हुआ है। हालांकि, इस स्थिति से लोगों में डर का माहौल भी बना हुआ है। बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने भी सोशल मीडिया के जरिए दोनों देशों में चल रहे तनाव के बीच अपने डर को जाहिर किया है। दरअसल, जब से भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर अटैक कर कई आतंकियों को मार गिराया। इसके बाद ही पाकिस्तान की तरफ से भारत के कई हिस्सों पर हमला किया था। इस पूरी घटना पर बात करते हुए जान्हवी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर की, जिसमें उन्होंने लिखा कि न्यूज चैनल और सोशल मीडिया देखकर लग रहा है कि हम किसी फिल्म से निकले हैं। जान्हवी ने आगे कहा कि मैंने अभी तक की अपनी जिंदगी में भारत में ऐसा कुछ होते नहीं देखा है। एक्ट्रेस ने अपनी फीलिंग्स के बारे में बात करते हुए लिखा कि उन्होंने इस तरह की स्थिति देखकर ऐसी घबराहट महसूस की है, जैसा उन्होंने पहले कभी एक्सपीरियंस नहीं किया है। आगे एक्ट्रेस ने लिखा कि ऐसे वक्त में उन सभी समय की याद आई जब बाहरी देशों में किसी भी तरह की तकरार पर हम सेफ जगह से उसे खत्म करने की बात करते हैं। पर इस बार ये हमारे ही दरवाजे पर आ गया है। एक्ट्रेस ने देश के बारे में बात करते हुए लिखा कि इतिहास से, कभी भी आक्रामक नहीं रहे हैं। हम अटैक नहीं करते, हम उन जगहों और लोगों पर खुद को थोपते नहीं हैं जो हमारा स्वागत नहीं करते, हम भारत हैं। अपनी सुरक्षा के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने भारतीय सेना को शुक्रिया अदा किया है। साथ ही साथ निर्दोषों को इस जंग से बचाए रखने की कामना भी की है। अभी की स्थिति की बात करें, तो भारत के कई इलाकों में पूरे तरीके से ब्लैकआउट का आदेश दे दिया है।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच डर गए सनी देओल!

भारत और पाकिस्तान के बीच कई दिनों से तनाव देखने को मिल रहा है। सीजफायर के बावजूद कई इलाकों में पाकिस्तान की तरफ से गोलीबारी की जा रही है। जहां एक ओर पाकिस्तान को लेकर ओमपुरी का डायलॉग वायरल हो रहा है। तो दूसरी ओर सनी देओल भी एक्शन में आ गए हैं। अपनी फिल्मों में आतंकियों के चीथड़े उड़ाने वाले सनी देओल ने अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 को लेकर बड़ा फैसला ले लिया है। सनी देओल ने अपनी दो फिल्मों को लेकर बड़ा फैसला किया है। जैसा पहले प्लान था, अब उस पर काम न करते हुए सनी देओल 'बॉर्डर 2' का काम जारी रखेंगे। बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड के मुताबिक, सनी पाजी ने 'लाहौर 1947' की बची हुई शूटिंग को रोक दिया है। साथ ही अपनी अगली देशभक्ति वाली फिल्म 'बॉर्डर 2' पर पूरा फोकस कर रहे हैं। सनी देओल इस वक्त देहरादून में हैं, जहां वो 'बॉर्डर 2' का शूट कंप्लीट कर रहे हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद अपने इंस्टाग्राम के जरिए दी थी। दरअसल इस वक्त भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का माहौल है। भारत ने 7 मई को पाकिस्तान में घुसकर कई आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। नई रिपोर्ट के मुताबिक, 'लाहौर 1947' का करीब 15 दिनों का शूट बाकी है। लेकिन सनी देओल ने फिलहाल इसे रोक दिया है, इसकी वजह है उनका डर, जो सही भी साबित हो सकता है।

प्राइम वीडियो पर 16 मई को रिलीज होगी 'भूल चूक माफ'

राजकुमार राव और वामिका गब्बी की फिल्म 'भूल चूक माफ' ओटीटी प्लेटफार्म प्राइम वीडियो पर 16 मई को रिलीज होगी। रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'भूल चूक माफ' सिनेमाघरों में नौ मई को रिलीज होने वाली थी। इस बीच मेकर्स ने एक ऐलान किया है कि इस फिल्म को सिनेमाघरों पर नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जायेगा। निर्माताओं ने यह फैसला देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया है। भूल चूक माफ के मेकर्स ने फिल्म के एक पोस्टर के साथ ऐलान करते हुए लिखा, हाल की घटनाओं और पूरे देश में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर, मैडॉक फिल्म्स और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने 16 मई को प्राइम वीडियो पर दुनिया भर में अपने पारिवारिक मनोरंजन, भूल चूक माफ को सीधे आपके घरों तक लाने का फैसला किया है. हालांकि, हम सिनेमाघरों में आपके साथ इस फिल्म का जश्न मनाने के लिए उत्सुक थे, लेकिन राष्ट्र की भावना सबसे पहले आती है।

रजत दलाल पर फूटा रुबीना दिलैक का गुस्सा

कहा- 17 महीने की मेरी बेटियां...

शो बैटलग्राउंड किसी न किसी वजह से विवाद में रहता है। इस शो में रुबीना दिलैक, रजत दलाल, अभिषेक मल्हान और पहले आसिम रियाज भी थे। वहीं शिखर धवन इसमें सुपर मेन्टॉर हैं। शो में अक्सर इन मेन्टॉर्स के बीच लड़ाई होती रहती है। अब हाल ही में रजत दलाल और रुबीना दिलैक के बीच विवाद हो गया जब रजत ने एक्ट्रेस की फिटनेस पर सवाल किया। रुबीना भी वहीं रजत को करारा जवाब देते हुए खुद को फिटनेस क्वीन बोलती हैं। रुबीना गुस्से में बोलती हैं, 'ट्रॉफी पावर लिफ्टिंग से नहीं बल्कि फिटनेस से देखी जाती है। मैंने इंडिया का सबसे बड़ा फिटनेस शो किया है। माइनस 2 डिग्री में स्टंट्स करते थे। 17 महीने की बेटियां हैं और मेरी फिटनेस देखो। कभी यह मत कहना कि फिटनेस के शो में रुबीना क्या कर रही है। मैं फिटनेस क्वीन हूं। बता दें कि इससे पहले आसिम ने रुबीना के डेली सोप को लेकर कमेंट किया था। जिस पर एक्ट्रेस ने उनके काम पर कमेंट करने से मना कर दिया था। शिखर ने उनसे माफी मांगने को भी कहा था। इसके बाद आसिम को शो से बाहर कर दिया गया। इतना ही नहीं आसिम के फैंस ने फिर रुबीना को जान से मारने की धमकी थी। इस पर रुबीना ने जवाब भी दिया था सोशल मीडिया पर कि मेरी चुप्पी को मेरी कमजोरी मत समझना। वैसे बता दें कि बैटलग्राउंड के अलावा रुबीना शो लाफ्टर शेफ 2 में भी नजर आ रही हैं।

माँ मेरी प्रेरणा हैं मदर्स डे पर

बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन' शो की अभिनेत्री दीक्षा धामी का दिल छू लेने वाला संदेश

कहते हैं, जब किसी बेटी से कहा जाता है कि वो बिलकुल अपनी माँ जैसी है तो उसके लिए इससे बड़ी कोई तारीफ़ नहीं हो सकती। माँ की ममता, उनके संस्कार और उनकी निःस्वार्थ ताकत हमें भीतर तक गढ़ देती है और वह हमारी पहचान का हिस्सा बन जाती हैं। शेमारू उमंग के शो 'बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन' में 'चैना' का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री दीक्षा धामी भी इस 'मदर्स डे' पर अपनी माँ के प्रति अपने प्रेम और भाव को साझा करते हुए कहती हैं।

अभिनेत्री दीक्षा धामी ने कहा, 'मेरी माँ मेरी सबसे बड़ी ताकत और मार्गदर्शक हैं। वे एक लोक गायिका और लेखिका हैं। मेरे बचपन का हर दिन संगीत, कहानियों और कला के माहौल में बीता है। उन्होंने मुझे सिखाया कि अपने आप पर भरोसा करो और अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करो।'

पहला ब्रेक और माँ की सबसे प्यारी प्रतिक्रिया पर वे कहती हैं, 'जब मुझे पहली बार एक टीवी शो में काम करने का मौका मिला, तो सबसे ज़्यादा खुशी मेरी माँ को हुई थी। वो मुझसे भी ज़्यादा खुश थीं और जानकर हैरानी होगी कि मेरी पहली ऑडिशन टेप भी माँ ने ही रिकॉर्ड की थी। जब मुझे खुद पर विश्वास नहीं था, तब माँ ने मुझमे मेरे अंदर के टैलेंट को देख लिया था।'

दीक्षा हँसते हुए कहती हैं, 'वो 'बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन' का एक भी एपिसोड मिस नहीं करतीं। वो मेरी सबसे बड़ी फैन हैं, लेकिन साथ ही सबसे ईमानदार आलोचक भी। जब शो में कोई मुझे ये कह देता है कि मेरी मां ने मुझे छोड़ दिया है, तो मेरी असली माँ सच में दुखी हो जाती हैं। वे मुझे गले लगाकर कहती हैं, 'मैं तो तुझसे कभी दूर नहीं रह सकती, मैं तुझे हमेशा प्यार करती रहूंगी।' कभी-कभी तो माँ मुझे मेरे किरदार 'चैना' से कुछ बातें सीखने की सलाह भी देती हैं जैसे भावनाओं और रिश्तों को संभालने की कला। ये रिश्ता सिर्फ माँ-बेटी का नहीं, बल्कि दो ऐसे व्यक्ति का है जो एक-दूसरे की सबसे बड़ी प्रेरणा हैं।'

'उन्होंने हमेशा सिखाया कि कभी किसी को जानबूझकर तकलीफ़ मत दो और अगर कर भी दो, तो उसे समझकर ठीक करो। माँ ने मुझे दूसरों की मदद करना, विनम्र रहना और जीवन में सहनशील बने रहना सिखाया है। माँ, आपका शुक्रिया! आप मेरी पहली गुरु, सबसे बड़ी मेंटर हैं। आपका साथ मेरे लिए सबसे बड़ी ताकत है। मैं आपसे बहुत प्यार करती हूँ। आप जैसी माँ पाकर खुद को दुनिया की सबसे खुशकिस्मत बेटी मानती हूँ।'

बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन' शो में देखिए दीक्षा धामी को 'चैना' के किरदार में हर सोमवार से शनिवार रात 9 बजे, सिर्फ शेमारू उमंग पर।

जैसलमेर की मिट्टी पर शूट हुई थी ऐश्वर्या राय की फिल्म

भारत और पाकिस्तान के बीच जंग के हालात बन गए हैं और गुरुवार को सेना ने पाकिस्तान के 2 फाइटर जहाजों को राजस्थान के जैसलमेर में तबाह कर दिए हैं। पाकिस्तान लगातार हमला कर रहा है और भारतीय सेना इसका मुंहतोड़ जवाब दे रही है। भारतीय सेना के जांबाज सैनिकों ने पाकिस्तान के फाइटर प्लेन उड़ाने वाले फौजी को भी गिरफ्तार कर लिया है। राजस्थान का जैसलमेर एक पर्यटन स्थल है और पाकिस्तान की सीमा से काफी करीब पड़ता है। यहां लोग घूमने आते हैं और कई फिल्मों की शूटिंग भी यहां हो चुकी है। साल 1999 में आई ऐश्वर्या राय की फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' की शूटिंग भी यहां हुई थी। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। बता दें कि सलमान खान और ऐश्वर्या राय स्टारर फिल्म हम दिल दे चुके सनम एक बेहद पॉपुलर फिल्म है। इस फिल्म को लोगों ने खूब प्यार दिया था। इतना ही नहीं ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। इस फिल्म की शूटिंग भी राजस्थान के खूबसूरत जैसलमेर में हुई थी। फिल्म आज भी लोगों के दिलों में बसी हुई है। डायरेक्टर संजय लीला भंसाली की इस फिल्म में अजय देवगन, ऐश्वर्या राय और सलमान खान के साथ जोहरा सहगल जैसे कलाकार अहम किरदारों में नजर आए थे। फिल्म का म्यूजिक इस्माइल दरबार ने दिया था और इसके गाने भी सुपरहिट रहे थे। बता दें कि ये फिल्म कमाई के मामले में भी शानदार रही थी और हिट का खिताब हासिल करने में सफल रही थी। बॉक्स ऑफिस इंडिया के आंकड़ों की मानें तो 16 करोड़ रुपयों के बजट से बनी इस फिल्म ने 51 करोड़ रुपयों से ज्यादा की कमाई की थी। फिल्म में सलमान खान और ऐश्वर्या राय की जोड़ी भी सुपरहिट रही थी। फिल्म के गाने भी खूब हिट रहे थे और लोगों की पसंदीदा लिस्ट में आज तक जुड़े हुए हैं।

कहां गुम हैं शाहिद कपूर की पहली हिरोइन ऋषिता भट्ट? शाहरुख, इमरान संग भी किया था काम

90 के दशक में कई पॉप सॉन्ग्स लोगों की जुबान पर चढ़ गए थे, उनमें से एक 'आंखों में तेरा ही चेहरा' सॉन्ग भी था। इस गाने में 17 साल के शाहिद कपूर भी नजर आए थे और उनके एक्टिंग करियर का ये पहला रोमांटिक गाना था। इस गाने में नजर आने वाली शाहिद कपूर की पहली हीरोइन ऋषिता भट्ट थीं जिन्होंने बॉलीवुड की कई फिल्मों में काम किया। 10 मई 1981 को मुंबई में जन्मी ऋषिता भट्ट आज अपना 42वां बर्थडे मना रही हैं। शाहिद कपूर के साथ का वो गाना आज भी याद किया जाता है और क्योंकि शाहिद बॉलीवुड के बड़े एक्टर्स में एक हैं इसलिए ऋषिता भट्ट को उनकी पहली हीरोइन कहा जाता है। ऋषिता भट्ट ने अपनी पढ़ाई ट्रिनिटी कॉलेज लंदन से पूरी की है और बाद में कोरियोग्राफर शामक डावर से डांस भी सिखा है। 1999 में लिरिल साबुन के ऐड से ऋषिता भट्ट ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। उसी साल यूनिवर्सल म्यूजिक की तरफ से एल्बम रिलीज किया गया था जिसका गाना 'आंखों में तेरा ही चेहरा' खूब फेमस हुआ था। इस गाने को मशहूर बैंड आर्यन्स ने गाया था और तैयार भी किया था। इस गाने से ऋषिता भट्ट फेमस हो गई थीं और इसके बाद उन्होंने कुछ फिल्में भी कीं। ऋषिता भट्ट की पहली बॉलीवुड फिल्म अशोका (2001) थी जिसमें वो शाहरुख खान के साथ नजर आई थीं। इस फिल्म के लिए ऋषिता को बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस के लिए जी सिने अवॉर्ड भी मिला था। इनकी अगली फिल्म 'दिल विल प्यार प्यार' (2002) थी जिसे लोगों ने पसंद किया लेकिन कॉमर्शियली ये फिल्म एवरेज थी। इसके बाद ऋषिता ने 'जवानी दीवानी', 'शरारत' और 'हासिल' जैसी फिल्मों में काम किया।

स्मृति मंधाना वनडे में सर्वाधिक शतक लगाने वाली तीसरी बल्लेबाज, इंग्लैंड की ब्यूमोंट को पछाड़ा

एजेंसी ● कोलंबो

भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली तीसरी महिला बल्लेबाज बन गईं। इस मामले में उन्होंने इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट को पीछे छोड़ा। बता दें कि, भारत और श्रीलंका के बीच त्रिकोणीय सीरीज का फाइनल मुकाबला कोलंबो में खेला जा रहा है। इस मैच में हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व वाली टीम ने श्रीलंका के सामने 343 रन का लक्ष्य रखा है।इस मुकाबले में मंधाना का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने 101 गेंदों का सामना किया और 116 रनों की दमदार पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 15 चौके और दो छक्के निकले। यह उनके वनडे करियर का 11वां वनडे शतक है। उन्होंने 55 गेंदों में अपना लगातार दूसरा अर्धशतक पूरा किया था। इसी के साथ वह सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाली तीसरी बल्लेबाज बन गईं। इस मामले में वह इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट से आगे निकल गईं, जिन्होंने इस प्रारूप में 10 शतक लगाए हैं। इस मामले में शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया की मैग लैनिंग 15 शतकों के साथ हैं जबकि न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स 13 शतकों के साथ दूसरे स्थान पर दर्ज हैं।इस मुकाबले में मंधाना का बल्ला जमकर गरजा। उन्होंने 101 गेंदों का सामना किया और 116 रनों की दमदार पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 15 चौके और दो छक्के निकले। यह उनके वनडे करियर का 11वां वनडे शतक है।

गिल को मिल सकती है टेस्ट टीम की कमान, ये विकेटकीपर बल्लेबाज बनेगा उपकप्तान?

एजेंसी ● नई दिल्ली

रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद इस बात पर चर्चा तेज हो गई है कि लाल गेंद के प्रारूप में भारतीय टीम का अगला कप्तान कौन होगा? ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान रोहित की अनुपस्थिति में जसप्रीत बुमराह को कमान सौंपी गई थी, लेकिन बताया जा रहा है कि शुभमन गिल इस प्रारूप में भारत के अगले कप्तान हो सकते हैं। वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को उपकप्तानी का जिम्मा मिल सकता है। उपकप्तान के लिए चयन एकदम स्पष्ट है क्योंकि पंत विदेशी परिस्थितियों में भारत के शानदार टेस्ट बल्लेबाजों में से एक हैं। वहीं, जसप्रीत बुमराह का कद इतना बड़ा है कि उन्हें उपकप्तान की भूमिका के लिए नहीं चुना जा सकता है और साथ ही जब उनकी खुद की फिटनेस भी संदिग्ध है तो उनका पूरी सीरीज के

लिए खेलना अनिश्चित है। पंत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में शतकों के साथ 42 से अधिक के औसत से इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। वह इन देशों में सात बार 90 और 99 के बीच स्कोर बना चुके हैं।

क्रिकेट जगत जहां करिश्माई विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की इच्छा से हैरान है तो वहीं पता चला है कि चयन समिति ने इंग्लैंड में उन्हें कप्तानी सौंपने के विचार पर विचार किया है ताकि गिल को खुद को निखारने के लिए कुछ और समय मिल सके। अभी तक कोहली ने कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है और माना जा रहा है कि उन्हें इंग्लैंड में आगामी पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में खेलने के लिए कहा जाएगा क्योंकि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनके अनुभव की जरूरत होगी, विशेषकर तब जब रोहित शर्मा ने भी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। हालांकि बीसीसीआई ने कोहली के टेस्ट करियर के संबंध में उनसे हुई बातचीत पर चुप्पी साधी हुई है।

सात-सदस्यीय टूर्नामेंट का आयोजन पुर्तगाल के एस्टोरिल में महिला चैम्पियंस लीग फाइनल से तीन दिन पहले 21 से 23 मई के बीच किया जाएगा।

यूएई की टीम ने लिया अजीब फैसला, पूरी टीम को रिटायर आउट किया; फिर भी कतर को हराया

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की टीम ने शनिवार को कतर के खिलाफ महिला टी20 विश्व कप क्वालिफायर मुकाबले के दौरान अपने फैसले से सभी को चौंका दिया। यूएई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पूरी टीम को रिटायर आउट किया। यूएई ने कतर के खिलाफ टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया था और 16 ओवर में 192 रन बनाए। जवाब में कतर की पूरी टीम 29 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह यूएई ने यह मुकाबला 163 रनों से जीता। पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई की ओर से सलामी बल्लेबाज तीर्था सतीश और कप्तान ईशा रोहित ओजा ने पहले विकेट के लिए 192 रनों की साझेदारी की। लेकिन बारिश की संभावना को देखते हुए यूएई ने अपनी पूरी टीम को रिटायर आउट करने का फैसला किया। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि टी20 में टीम घोषित करने का नियम लागू नहीं होता है। यूएई का प्रत्येक बल्लेबाज पैड पहनकर मैदान पर उतरा और उसे रिटायर आउट करार दिया गया। यूएई के लिए यह स्कोर काफी साबित हुआ क्योंकि कतर की टीम कोई चुनौती भी पेश नहीं कर सकी। यूएई के लिए ईशा ने सबसे ज्यादा 55 गेंदों पर 14 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 113 रन बनाए। वहीं, तीर्था ने 42 गेंदों पर 11 चौकों के सहारे 74 रन बनाए। ईशा ने साथ ही एक विकेट भी लिया और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। यूएई की ओर से मिचेले बोथा ने तीन विकेट लिए। इस जीत के साथ यूएई की टीम टूर्नामेंट में चार अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गई है।

भारत ने त्रिकोणीय सीरीज जीती, श्रीलंका को 97 रन से हराया

स्नेह राणा और अमनजोत ने बरपाया कहर

एजेंसी ● कोलंबो

भारत ने श्रीलंका को 97 रन से हराकर त्रिकोणीय सीरीज का फाइनल मुकाबला जीत लिया। कोलंबो में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना की शतकीय पारी की मदद से 50 ओवर में सात विकेट खोकर 342 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका की टीम 48.2 ओवर में सिर्फ 245 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। उनके लिए कप्तान चामरी अट्टापट्टू ने सर्वाधिक 51 रनों की पारी खेली। वहीं, भारत की तरफ से स्नेह राणा ने चार और अमनजोत कौर ने तीन विकेट चटकाए। इस सीरीज की तीसरी टीम दक्षिण अफ्रीका थी जो फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी थी।लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरूआत झटके के साथ हुई।

अमनजोत कौर ने पहले ही ओवर में हसिनी पेरेरा को बोल्ड किया। वह खाता भी नहीं खोल पाईं। हालांकि, श्रीलंका ने इससे उबरते हुए विश्मी गुनारत्ने और चामरी अट्टापट्टू की साझेदारी की बदौलत दूसरे विकेट के लिए 68 रन जोड़े। अमनजोत ने अपनी गेंदबाजी का कहर बरपाते हुए दोनों बल्लेबाजों को बोल्ड कर दिया। विश्मी 36 और चामरी 51 रन बनाकर आउट हुईं। इसके अलावा निलक्षिका सिल्वा ने 48, हर्षिता समरविक्रमा ने 26 और देवमी विहंगा ने चार रन बनाए। इसके बाद अनुष्का संजीवनी और सुगंदिका कुमारी ने कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकीं। दोनों क्रमशः 28 और 27 रन बनाकर आउट हो गईं। भारत के लिए स्नेह राणा और अमनजोत कौर के अलावा श्री चरणी ने एक विकेट हासिल किया।टीम इंडिया को पहला झटका प्रतिका रावल के रूप में लगा। वह 49 गेंद पर दो चौके की मदद से 30 रन बनाकर आउट हुईं। रावल ने मंधाना के साथ ओपनिंग विकेट के लिए 89 गेंद में 70 रन की साझेदारी निभाई। इसके बाद मंधाना ने हरलीन देओल के साथ दूसरे विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी निभाई। इस बीच मंधाना ने वनडे करियर का 12वां शतक पूरा किया।

उन्होंने 101 गेंद में 15 चौके और दो छक्के की मदद से 116 रन की पारी खेली। वहीं, हरलीन देओल 56 गेंद में चार चौके की मदद से 47 रन बना सकीं। इसके बाद हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स के बीच 48 रन की साझेदारी की। हरमनप्रीत 30 गेंद में चार चौके और एक छक्के की मदद से 41 रन और जेमिमा 29 गेंद में चार चौके की मदद से 44 रन बना सकीं। ऋचा घोष आठ रन और अमनजोत कौर 18 रन बनाकर आउट हुईं। दीप्ति शर्मा 20 रन बनाकर और क्रांति गौड़ खाता खोले बिना नाबाद लौटीं। श्रीलंका की मल्की मदारा, सुगंधिका कुमारी और देवमी विहंगा ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, इनोका रणवीरा को एक विकेट मिला।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारतः प्रतिका रावल, स्मृति मंधाना, हरलीन देयोल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, श्री चरणी, क्रांति गौड़।

श्रीलंकाः हासिनी परेरा, विशमी गुणरत्न, हर्षिता समरविक्रमा, चमारी अट्टापट्टू (कप्तान), पिउमी बदलगे, नीलाक्षी डी सिल्वा, अनुष्का संजीवनी (विकेटकीपर), देवमी विहंगा, सुगंधिका कुमारी, मल्की मदारा, इनोका रणवीरा।

क्या इंग्लैंड में कराया जाएगा आईपीएल 2025 का शेष सत्र?

एजेंसी ● नई दिल्ली

इंग्लैंड आईपीएल 2025 के शेष सत्र को अपने यहां कराने पर विचार कर सकता है। न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अगर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के समक्ष प्रस्ताव रखेगा तो इंग्लैंड टूर्नामेंट पूरा कराने में मदद कर सकता है। आईपीएल 2025 में अभी भी 16 मैच कराए जाने बाकी है जिसमें से 12 ग्रुप चरण के हैं। इंग्लैंड में आईपीएल मैच स्थानांतरित कराए जाने में चुनौतियां भी है क्योंकि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। बीसीसीआई ने शुक्रवार को भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव को देखते हुए बीसीसीआई का 18वां सत्र एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया था। इससे पहले, धर्मशाला में दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला गया मुकाबला रद्द कर दिया गया था। फ्लड लाइट्स में खराबी के कारण मैच को रोका गया था और दर्शकों तथा खिलाड़ियों को मैदान से बाहर ले जाया गया था। बीसीसीआई ने बताया था कि धर्मशाला में तकीनी खामी के चलते मैच रद्द किया गया है।बीसीसीआई ने कहा था कि क्रिकेट देश का जुनून है लेकिन यह देश की अखंडता और सुरक्षा से बढ़कर नहीं है। बीसीसीआई ने कहा था, इस कठिन समय में बीसीसीआई देश के साथ खड़ा है। हम भारत सरकार, सशस्त्र बलों और देश के लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हैं। बोर्ड हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी, साहस और निस्वार्थ सेवा को सलाम करता है जिनके ऑपरेशन सिंदूर के तहत किए गए वीरतापूर्ण प्रयास राष्ट्र की रक्षा करने के साथ प्रेरणा देते हैं और जो हाल ही के आतंकवादी हमले और पाकिस्तान के सशस्त्र बलों द्वारा किए गए अनुचित आक्रमण का दृढ़ जवाब दे रहे हैं। बोर्ड भारत की सुरक्षा के लिए सभी प्रयासों का समर्थन करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है और हमेशा राष्ट्र के सर्वोत्तम हित में अपने निर्णय लेगा।

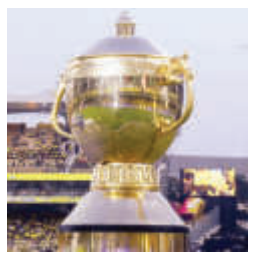

सिर्फ तीन स्थल पर ही खेला जाएगा आईपीएल 2025 का शेष सत्र?

एजेंसी ● नई दिल्ली

आईपीएल 2025 के दोबारा शुरू होने पर इस मुकाबले सीमित जगह तक ही आयोजित किए जा सकते हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, एक सप्ताह के लिए आईपीएल 2025 का सत्र स्थगित होने के बाद अगर मई में इसे दोबारा शुरू किया जाता है तो सिर्फ तीन शहरों में इसके मैच आयोजित कराए जा सकते हैं। इसके लिए बंगलूरू, चेन्नई और हैदराबाद के शहरों के चयनित किया गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को देखते हुए शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल का मौजूदा सत्र एक सप्ताह के लिए स्थगित करने का फैसला किया था।

आईपीएल का 18वां सीजन अपने अंतिम पड़ाव में था और इसके 16 मुकाबले खेले जाने शेष थे जिसमें प्लेऑफ के मैच भी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अगर भारत सरकार टूर्नामेंट दोबारा शुरू करने की मंजूरी देती है तो आईपीएल इसके मैच कराने के लिए दक्षिण भारत के तीन शहरों को चुन सकता है। इस रिपोर्ट की मानें तो कई टीमों के अधिकारियों ने यह भी बताया है कि आईपीएल 2025 का शेष सत्र इस साल बाद में खेला जाएगा। बीसीसीआई के सामने टूर्नामेंट शुरू करने के लिए विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता चुनौती है। टूर्नामेंट स्थगित होने के बाद विभिन्न फ्रेंचाइजी के खिलाड़ी और सहायक स्टाफ अपने घर लौट रहे हैं, जबकि कई विदेशी खिलाड़ी भी अपने घर लौट चुके या लौट रहे हैं।

फ्रेंचाइजी हालांकि, इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि अगर मई में ही टूर्नामेंट शुरू होता है तो उनके विदेशी खिलाड़ी इसके लिए उपलब्ध होंगे। कई खिलाड़ी ऐसे हैं जिनके लिए द्विपक्षीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करना भी जरूरी है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच 11 जून से लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मुकाबला भी खेला जाना है। आईपीएल 2025 में अब तक कुल 57 मुकाबले पूरे हो चुके हैं, जबकि पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच धर्मशाला में खेला गया 58वां मुकाबला बीच में ही रोक दिया गया था और इसे रद्द किया गया था।

भारत से घबराए पाकिस्तान ने स्थगित की अपनी टी20 लीग, पीसीबी ने अनिश्चितकाल के लिए टाला

एजेंसी ● कराची

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। इससे कुछ घंटे पहले ही घोषणा की गई थी कि भारत के साथ चल रहे सैन्य संघर्ष के कारण टी20 टूर्नामेंट को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थानांतरित कर दिया गया है। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक यूएई ने मेजबानी से इनकार कर दिया, जिसके बाद पीएसएल को स्थगित करने का फैसला लेना पड़ा। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल के बचे मैचों को भी एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया था।पीसीबी ने एक बयान में कहा, 'स्थगित करने का फैसला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मिली सलाह के अनुसार लिया गया है।' हालांकि, यह पता चला है कि एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड ने पीएसएल के बचे मैचों की मेजबानी के लिए पीसीबी के अनुरोध को मंजूरी देने से मना कर दिया, क्योंकि उसके बीसीसीआई के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध है।पीसीबी ने इसके बाद लीग को स्थगित करने का फैसला करते हुए कहा कि वह अपने साझेदारों, फ्रेंचाइजी, भाग लेने वाले खिलाड़ियों, प्रसारकों, प्रायोजकों और आयोजकों के प्रयासों और समर्थन के उन्हें धन्यवाद देता है। पीएसएल 2025 में महज आठ मैच बचे थे और 18 मई को फाइनल खेला जाना था। पीसीबी ने शुक्रवार को कहा था कि अंतिम आठ मैच अब यूएई में खेले जाएंगे। पहले ये मैच रावलपिंडी, मुल्तान और लाहौर में खेले जाने थे।

आईपीएल में 16 मुकाबले खेले जाने शेष थे

लीग के लिए विंडो को लेकर पूछ गए सवाल में उन्होंने कहा कि 'सभी बोर्ड हमारा समर्थन करते हैं। ऐसे में विंडो कोई चिंता की बात नहीं है।' विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता को लेकर उन्होंने कहा कि 'यह उनका निजी फैसला होगा, वो खुद ही इस पर फैसला लेंगे।' आईपीएल 2025 का सत्र अपने अंतिम पड़ाव पर चल रहा था और इसमें फाइनल सहित कुल 16 मुकाबले खेले जाने शेष थे। आईपीएल 2025 सत्र का फाइनल मुकाबला 25 मई को कोलकाता में खेला जाना था, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए इसे एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया गया है।

पाकिस्तान के हमले को भारतीय सेना ने किया नाकाम

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ पाकिस्तान में चलाए गए भारत के ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान ने गुरुवार की रात भारत के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, जिसे भारतीय सेनाओं ने पूरी तरह नाकाम कर दिया। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया था और 100 आतंकियों को मार गिराया था।

आईपीएल एक हफ्ते के लिए स्थगित किया गया

इससे पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच शुक्रवार को बड़ा फैसला लिया था। बीसीसीआई ने तनाव को देखते हुए आईपीएल 2025 का सत्र बीच में ही एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि 'फिलहाल लीग को एक हफ्ते के लिए टाल दिया गया है। इसके बाद हम हालात का जायजा लेंगे और फैसला करेंगे।' इसके लिए बोर्ड अलग से कार्यक्रम जारी करेगा।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, सोमवार, 12 मई, 2025
www.adityabharat.com

माल्डन, यू.के। प्रतियोगी एसेक्स में वार्षिक माल्डन मड रेस में भाग लेते हैं। 1973 में शुरू हुई इस रेस में कम ज्वार के समय ब्लैकवाटर नदी के पार 500 मीटर की दौड़ शामिल है।

शॉट न्यूज

गांव नहीं छोड़ेंगे, जरूरत पड़ी तो सेना के साथ हम भी उठ खड़े होंगे

चंडीगढ़। पंजाब, कश्मीर और जम्मू के बॉर्डर से लगे गांवों में भले ही इन दिनों गोलियों की आवाजगूंज रही हो, लेकिन वहां रहने वाले लोग खामोश नहीं हैं। उनका हौसला आसमान छू रहा है. डर नाम की कोई चीजउनकी जुबान पर नहीं, बल्कि जवाब देने की तैयारी है। गांवों में राशन जमा हो रहा है, महिलाएं अपने बच्चों को सिखा रही हैं कि हमले के वक्त क्या करना है, और पूर्व सैनिक युवाओं को समझा रहे हैं कि देश पहले है, बाकी सब बाद में...! फिरोजपुर बॉर्डर पर महवा गांव के बुजुर्गों ने कहा किहम 1965 और 1971 की जंग में भी कहीं नहीं गए थे। इस बार भी नहीं जाएंगे। हमारे जवानों ने जैसे पाकिस्तान को जवाब दिया है, हम उसके साथ खड़े हैं। जो जरूरत होगी, हमअपनी जान तक देंगे। गांव की सरपंच निर्मला देवी ने गांववालों से पहले ही कह दिया है-घर में राशन पानी जमा कर लो, बच्चों को सिखा दो कि कठिन परिस्थिति में क्या करना है। अगर जंग होती है, तो गांव नहीं छोड़ेंगे।

तालिबान ने खोली पाकिस्तानी सेना के सफेद झूठ की पोल

काबुल। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने साफ किया है कि भारत की कोई मिसाइल उनकी जमीन पर नहीं गिरी है। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इनायतुल्लाह ख्वारिज्मी ने बयान जारी करते हुए पाकिस्तान के दावे को गलत बताया है। पाकिस्तान की तरफ से कहा गया था कि भारत की मिसाइल अफगानिस्तान में गिरी हैं। भारत पहले ही पाकिस्तान के इस दावे को सिरे से खारिज कर चुका है। अब अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान ने भी पाकिस्तान को झूठा करार दिया है। तालिबान शासन ने कहा है कि पाकिस्तानका दावा आधारहीन है। किसी भारतीय मिसाइल ने अफगान जमीन को हिट नहीं किया है। अफगान रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इनायतुल्लाह ख्वारिज्मी ने हुर्रियत रेडियो से बातचीत में कहा, 'हमने अफगान क्षेत्र पर भारत के मिसाइल हमले के बारे में पाकिस्तान के दावे को दृढ़ता से खारिज किया है। ऐसे दावों में कोई सच्चाई नहीं है।

छुपा रुस्तम :पड़ोस में तनाव का फायदा उठाने की फिराक में चीन

जंग में हाथ सेंकने का मौका देख रहा ड्रैगन

एजेंसी ● नई दिल्ली

चीन लंबे समय से दक्षिण एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति चीन को इस क्षेत्र में मध्यस्थ या महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में खुद को पेश करने का अवसर दे सकती थी। इससे उसका राजनीतिक प्रभाव बढ़ सकता था। लेकिन, अमेरिका ने चीन को हाथ सेंकने का मौका नहीं दिया। उसने बीच में आकर भारत और पाकिस्तान के बीच के बीच संघर्ष विराम करा दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसके बारे में ऐलान किया।

तनाव

उन्होंने बताया कि दोनों देश तुरंत सीजफायर के लिए तैयार हो गए हैं। अगर यह तनाव बढ़ता तो चीन के लिए इस क्षेत्र में अपने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के अवसर खुल जाते।

वह पाकिस्तान में अपने निवेश और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं (जैसे सीपीईसी) को पहले से ही बढ़ा रहा है। इसमें और इजाफा हो सकता था। भारत-पाकिस्तान की लड़ाई वह बिना सीधे शरीक हुए हाथ सेंकने की फिराक में था। अभी चीन अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर में उलझा हुआ है। भारत उसका क्षेत्र में सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी है। ट्रंप की टैरिफ पॉलिसियों के कारण जो कंपनियां चीन को छोड़कर भारत का रुख कर रही हैं, तनाव बढ़ने की स्थिति में उनका भरोसा डगमगा सकता था। चीन को अमेरिका के साथ डीलहो जाने का इंतजार है। इसकी संभावना बढ़ रही हैं। वहीं, पाकिस्तान के साथ तनाव लंबा खिंचने पर भारत को नुकसान होने के आसार थे। विदेशी निवेशकों में इसका अच्छा मैसेज नहीं जाता। अभी सीमा पार मिसाइल हमलों का इक्विटी, मुद्रा और बॉन्ड बाजारों पर तत्काल कोई खास असर नहीं हुआ है। कारण है कि व्यापक युद्ध की आशंका कम थी। विशेषज्ञों का पहले से ही मानना था कि अगर शत्रुता समाप्त हो जाती है तो निवेश के माहौल पर ज्यादा बुरा असर नहीं पड़ेगा। भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार समझौता हुआ है और अमेरिका के साथ भी इस तरह की बातचीत चल रही है।

भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था

भारत की अर्थव्यवस्था 6.5% की विकास दर के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहने की उम्मीद है। विश्लेषकों का कहना है कि फोकस व्यापार समझौतों पर है। भारत ने मंगलवार को ब्रिटेन के साथ एक लंबे समय से लंबित व्यापार समझौता किया है। अमेरिका के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत चल रही है। भारत में निवेश का बहुत अच्छा माहौल चीन की धुकधुकी बढ़ाता है। वह क्षेत्र में अपने वर्चस्व को बनाए रखना चाहता है। भारत की तेज रफ्तार उसे खटकती है। कारण है कि भारत दुनिया को चीन का विकल्प देने की ताकत रखता है। चीन के बाद वही एशिया की सबसे बड़ी महाशक्ति है।

बीएलए ने बलूचिस्तान में 39 ठिकानों पर किया हमला

एजेंसी ● क्वेटा

पाकिस्तान ने भारत के साथ मुसीबत खुद ही मौल ली है। अब उसे जबरदस्त झटका लगा है। एक तरफ पाकिस्तान लगातार भारतीय सीमा पर हमला करने कोशिश में लगा था, लेकिन उसे मुंहतोड़ जवाब दिया गया है। वहीं, दूसरी तरफ पाकिस्तान अपने ही घर में फंस गया है क्योंकि बलूचिस्तान में बलोच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया है। बलोच आर्मी के प्रवक्ता के बयान के मुताबिक, बीएलए ने बलूचिस्तान के 39 अलग-अलग ठिकानों पर हमला किया है। बीएलए का कहना है कि ऑपरेशन अभी भी जारी है, बड़े हाइवे को निशाना बनाया जा रहा है, साथ ही पाकिस्तानी पुलिस स्टेशन, पाकिस्तानी सेना के हथियारों को कब्जे में लिया है। पाकिस्तानी सेना असफल कोशिश कर रही है, दूसरी तरफ उसे बलोच लिबरेशन आर्मी से मुंह की खानी पड़ रही है। पिछले तीन दिनों बलोच आर्मी ने पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में कई बड़े हमले किए है। जिनमें पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान हो रहा है और ऐसे में उस समझ नहीं आ रहा है कि अंदर लड़े या फिर सीमा पर लड़े। बीएलए ने एक सैन्य काफिले पर हमला किया, जिसमें 12 सैनिक मारे गए। बीएलए ने इन हमलों को पाकिस्तानी सेना की दमनकारी नीतियों के खिलाफ एक्शन बताया है।

सीजफायर के बाद अमृतसर में रेड अलर्ट खत्म 9 राज्यों के 32 एयरपोर्ट्स बंद

राजस्थान-पंजाब में 35 ट्रेनें शुरू, कैंसिल हुई थीं

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को सीजफायर की घोषणा के बाद रविवार को बॉर्डर इलाकों में हालात सामान्य होने लगे हैं। पाकिस्तानी हमले के डर से बॉर्डर से सटे गावों में घर छोड़ चुके लोग वापस लौटने लगे हैं। बाजार खुल गए हैं। राजस्थान में कैंसिल की गईं 27 ट्रेनों को बहाल कर दिया गया है। रेलवे ने सीजफायर से पहले 16 ट्रेनों को पूरी तरह कैंसिल कर दिया था। 11 ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द करने की घोषणा की थी। अब सभी ट्रेनें अपने निर्धारित समय और रूट पर चलेंगी।

बहाल

पंजाब के अमृतसर में रेड अलर्ट खत्म कर दिया गया है। फिरोजपुर में 8 ट्रेनों को सामान्य रूप से चलाने के आदेश जारी किए गए हैं। इनमें कुछ ट्रेनों का समय बदला गया था। कुछ ट्रेनें बंद की गई थीं। फिरोजपुर, फाजिल्का, तरनतारन, पठानकोट और गुरदासपुर के

बॉर्डर इलाकों में लोग अपने घर लौटने लगे हैं। हालांकि, पंजाब, राजस्थान सहित 9 राज्यों में बंद किए गए 32 एयरपोर्ट्स अब भी बंद हैं। इन्हें 15 मई तक बंद करने का आदेश है। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने 10 मई को बताया था कि यह आदेश 9 मई से 15 मई की सुबह 5.29 बजे तक लागू रहेगा। एयरपोर्ट्स खोलने को लेकर अभी कोई फैसला नहीं आया है। भारत से युद्धविराम के बाद पाकिस्तान ने शनिवार को राजस्थान में बॉर्डर से सटे बाड़मेर में ड्रोन हमला किया। भारतीय सेना ने हमले को विफल कर दिया। श्रीगंगानगर में भी ड्रोन दिखाई दिए। जैसलमेर में सायरन बजा।

बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर, फलोदी, बीकानेर, श्रीगंगानगर, पाली, बालोतरा और हनुमानगढ़ में अभी ब्लैकआउट जारी है। इससे पहले शनिवार को पाकिस्तान की ओर से राजस्थान के बॉर्डर इलाकों से जुड़े जिलों में अटैक की कोशिश की गई थी। हालांकि भारतीय सेना ने सभी हमलों को नाकाम कर दिया था।

गुजरात के बॉर्डर इलाकों में हालात सामान्य

गुजरात के बॉर्डर इलाकों में हालात सामान्य हैं। सड़कों पर आवाजाही बढ़ गई है और दुकानें-होटलें खुल गई हैं। 10 मई को सीजफायर के बावजूद पाकिस्तान ने गुजरात के बॉर्डर इलाकों में फिर से हमले की कोशिश की थी। इससे तीन जिलों भुज, जामनगर और द्वारका के 94 गांवों में ब्लैकआउट कर दिया गया था। कच्छ में रात करीब 10 बजे पाकिस्तानी ड्रोन देखे गए थे। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने इसकी पुष्टि की थी। इसके बाद भुज में लोगों को चेतावनी देने के लिए सायरन बजाया गया। दैनिक भास्कर के सूत्रों के मुताबिक, कच्छ के नालिया और जखाऊ इलाकों में करीब 15 विस्फोट की आवाज सुनी गई थे। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार शाम 5 बजे सीजफायर की घोषणा हुई थी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा था कि अब दोनों देश जमीन, आकाश और समुद्र में एक-दूसरे पर हमला नहीं करेंगे।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)